



वनः पूषु नीका तामनः कृमदः ॥ नः यषदः नः सवः सोमः सयती कः यदि नः का ॥ कः विः ॥ १ ॥ सुमकः पिला विगला ॥ नयमाः कः मागः ना
 सुकधी छरुदनी वाने नाया ॥ २ ॥ नावती ॥ की वायय नयदि नः विरः मात्वा विदिकः माया ॥ नयनः नयनः नात् ॥ ३ ॥ कः वालः ॥ मः ॥
 ली ॥ नयनः मात्वा नात्वा ॥ सुनयित्वा वलाहकः ॥ ४ ॥ अया धनः गलः धनः सुति नात्वा विदः ॥ ५ ॥ सुनः जीमूतः मदिः ॥ अलः मूकः ध
 मयानयः ॥ कादमिनी मयमाला ॥ पिषमयः रुवः ॥ ६ ॥ सुनिनः नयनः मयः निधायः ॥ ७ ॥ सिनादिः ॥ गम्याः ॥ ८ ॥ दादादी नयः
 वलः ॥ ९ ॥ कः ॥ १० ॥ नः ॥ ११ ॥ मनीविद्यः ॥ १२ ॥ वलायः ॥ १३ ॥ यः ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥ ॥ १०१ ॥ ॥ १०२ ॥ ॥ १०३ ॥ ॥ १०४ ॥ ॥ १०५ ॥ ॥ १०६ ॥ ॥ १०७ ॥ ॥ १०८ ॥ ॥ १०९ ॥ ॥ ११० ॥ ॥ १११ ॥ ॥ ११२ ॥ ॥ ११३ ॥ ॥ ११४ ॥ ॥ ११५ ॥ ॥ ११६ ॥ ॥ ११७ ॥ ॥ ११८ ॥ ॥ ११९ ॥ ॥ १२० ॥ ॥ १२१ ॥ ॥ १२२ ॥ ॥ १२३ ॥ ॥ १२४ ॥ ॥ १२५ ॥ ॥ १२६ ॥ ॥ १२७ ॥ ॥ १२८ ॥ ॥ १२९ ॥ ॥ १३० ॥ ॥ १३१ ॥ ॥ १३२ ॥ ॥ १३३ ॥ ॥ १३४ ॥ ॥ १३५ ॥ ॥ १३६ ॥ ॥ १३७ ॥ ॥ १३८ ॥ ॥ १३९ ॥ ॥ १४० ॥ ॥ १४१ ॥ ॥ १४२ ॥ ॥ १४३ ॥ ॥ १४४ ॥ ॥ १४५ ॥ ॥ १४६ ॥ ॥ १४७ ॥ ॥ १४८ ॥ ॥ १४९ ॥ ॥ १५० ॥ ॥ १५१ ॥ ॥ १५२ ॥ ॥ १५३ ॥ ॥ १५४ ॥ ॥ १५५ ॥ ॥ १५६ ॥ ॥ १५७ ॥ ॥ १५८ ॥ ॥ १५९ ॥ ॥ १६० ॥ ॥ १६१ ॥ ॥ १६२ ॥ ॥ १६३ ॥ ॥ १६४ ॥ ॥ १६५ ॥ ॥ १६६ ॥ ॥ १६७ ॥ ॥ १६८ ॥ ॥ १६९ ॥ ॥ १७० ॥ ॥ १७१ ॥ ॥ १७२ ॥ ॥ १७३ ॥ ॥ १७४ ॥ ॥ १७५ ॥ ॥ १७६ ॥ ॥ १७७ ॥ ॥ १७८ ॥ ॥ १७९ ॥ ॥ १८० ॥ ॥ १८१ ॥ ॥ १८२ ॥ ॥ १८३ ॥ ॥ १८४ ॥ ॥ १८५ ॥ ॥ १८६ ॥ ॥ १८७ ॥ ॥ १८८ ॥ ॥ १८९ ॥ ॥ १९० ॥ ॥ १९१ ॥ ॥ १९२ ॥ ॥ १९३ ॥ ॥ १९४ ॥ ॥ १९५ ॥ ॥ १९६ ॥ ॥ १९७ ॥ ॥ १९८ ॥ ॥ १९९ ॥ ॥ २०० ॥ ॥ २०१ ॥ ॥ २०२ ॥ ॥ २०३ ॥ ॥ २०४ ॥ ॥ २०५ ॥ ॥ २०६ ॥ ॥ २०७ ॥ ॥ २०८ ॥ ॥ २०९ ॥ ॥ २१० ॥ ॥ २११ ॥ ॥ २१२ ॥ ॥ २१३ ॥ ॥ २१४ ॥ ॥ २१५ ॥ ॥ २१६ ॥ ॥ २१७ ॥ ॥ २१८ ॥ ॥ २१९ ॥ ॥ २२० ॥ ॥ २२१ ॥ ॥ २२२ ॥ ॥ २२३ ॥ ॥ २२४ ॥ ॥ २२५ ॥ ॥ २२६ ॥ ॥ २२७ ॥ ॥ २२८ ॥ ॥ २२९ ॥ ॥ २३० ॥ ॥ २३१ ॥ ॥ २३२ ॥ ॥ २३३ ॥ ॥ २३४ ॥ ॥ २३५ ॥ ॥ २३६ ॥ ॥ २३७ ॥ ॥ २३८ ॥ ॥ २३९ ॥ ॥ २४० ॥ ॥ २४१ ॥ ॥ २४२ ॥ ॥ २४३ ॥ ॥ २४४ ॥ ॥ २४५ ॥ ॥ २४६ ॥ ॥ २४७ ॥ ॥ २४८ ॥ ॥ २४९ ॥ ॥ २५० ॥ ॥ २५१ ॥ ॥ २५२ ॥ ॥ २५३ ॥ ॥ २५४ ॥ ॥ २५५ ॥ ॥ २५६ ॥ ॥ २५७ ॥ ॥ २५८ ॥ ॥ २५९ ॥ ॥ २६० ॥ ॥ २६१ ॥ ॥ २६२ ॥ ॥ २६३ ॥ ॥ २६४ ॥ ॥ २६५ ॥ ॥ २६६ ॥ ॥ २६७ ॥ ॥ २६८ ॥ ॥ २६९ ॥ ॥ २७० ॥ ॥ २७१ ॥ ॥ २७२ ॥ ॥ २७३ ॥ ॥ २७४ ॥ ॥ २७५ ॥ ॥ २७६ ॥ ॥ २७७ ॥ ॥ २७८ ॥ ॥ २७९ ॥ ॥ २८० ॥ ॥ २८१ ॥ ॥ २८२ ॥ ॥ २८३ ॥ ॥ २८४ ॥ ॥ २८५ ॥ ॥ २८६ ॥ ॥ २८७ ॥ ॥ २८८ ॥ ॥ २८९ ॥ ॥ २९० ॥ ॥ २९१ ॥ ॥ २९२ ॥ ॥ २९३ ॥ ॥ २९४ ॥ ॥ २९५ ॥ ॥ २९६ ॥ ॥ २९७ ॥ ॥ २९८ ॥ ॥ २९९ ॥ ॥ ३०० ॥ ॥ ३०१ ॥ ॥ ३०२ ॥ ॥ ३०३ ॥ ॥ ३०४ ॥

[illegible][illegible]

स्मि कादिद्या०

^{न बुद्धिः वृद्धिः क्लृप्ता} ^{विज्ञानया वृद्धिः ज्ञानम} ^{अप्रत्ययतयस्वकद्विजानाम} ^{मनसागुरुदमर्षासंकल्पविषयदलमनननानां बाधः} ^{भाषायातनकार}
^{मननता कोकमो} ^{०० को} ^{मननविषयकतायाकार्य}
 युक्ताः समूचीमतिः। यथा यत्नविधिर्हविः। त्युतियं रुचिः च न ना। वीक्षा न च वतीमं धीं। सूक्तल्यः कर्ममानसी विरुहा। गमनं न नाका
^{कोया विद्या धृति} ^{विचार} ^{मननयावप्रयका अनुमान} ^{१ हं दहयक} ^{निष्ठयविकनिर्णय} ^{धर्मोहासुसकाया विमममयीकयक}
 न धृष्टीं सखा विद्या न धा। अथाह न स कौडका विविकि स्याय संघयः। संधरुदाय नो वाथ समो निधेय निधेयो मिथ्या दृष्टिर्नो
^{मेव योको दोहविमनयावीद} ^{विज्ञान} ^{सिद्धज्ञाननोहान निष्ठयक} ^{विज्ञानविक्र प्राप्तिवित} ^{ज्ञानयानाम}
 सिकता श्यायादादाह विननं। समो सिद्धान न बाको को। याकिर्मिथ्यामतिः समः। सविदां गृह यतिज्ञानं नियमां धव संघवाः॥ श्रीगी
^{श्रुतिज्ञानसमाधिचक्र} ^{भाऊ क्लान} ^{शिरधामन्याये बोये आदि न सास्त्र आदि न भाग} ^{विममोलयावधि दन आपानविममम} ^{११}
 कार्णय यमम यतिधव समाधयः। माक धीमान न मं नृपं विद्वानं निह्येष्टा मुयाः॥ मुक्तिः केवल्य निर्वोद। ध्यानिः धयसो मृगं
^{भाऊ यानाम} ^{श्रुतिज्ञानधय} ^{मोय} ^{देने} ^{नाहुने} ^{मवा} ^{कायधय} ^{धन धव विमयधय} ^{विषयान् अर्थयाननोदध} ^{इन्द्रिययानाम}
 माकायवर्गमं नान मं विद्यां रुमातिः क्रिया॥ नृपयं नृका गं वनमं स्याम धुविषया मृमी। गमनं नृद्विधा योय दृष्टी क विषयी
^{अज्ञात} ^{वृषमिखानखययदाय} ^{गोद} ^{कामनद नयंदा} ^{मी} ^{वका} ^{मननागु} ^न ^{नका} ^ध ^{प्रममन} ^{मवा} ^{काययदाय} ^{स्यवधिप्र}
 यदाथो॥

^{जायूवाक याधियाद युक्त धर्मकमेन्द्रिय} ^{मनवृद्धिः नृकातयक आगुपीककाव} ^{१२} ^{धनन दिष्टिन्द्रियधय}
^{मर्दन} ^{परिभाषय नामक} ^{खानसयिका यानाम} ^{अग्निनामक वातजोदध} ^{वृद्धीधव} ^{१३} ^{विममनयधवना समाकमेधय} ^{सामान्यनामक या}
 न्दियं॥ कर्मन्दियं युयायादि मनानयादि वीन्द्रियं। उव न नृक कयायादि मध्वं नालवधः कदूहातिका मुध्वनसाः यपि तद मृष
^{सूत्रविमय} ^{नाहुने नृमीनगायायनामुगध} ^{सुधुमः कर्षटजि पोमवावा न आदिन नृको} ^{महिनायानाम} ^{यनन नृवका वकायाने विममययनयव} ^{१४}
 मायिषा॥ विमदोक्त यत्रिमला गंधरु नम नारुन। आमादः मागिनिहोत्री वा अलि नृहर्मा रुधना॥ समाकषीं उनिहोत्री सुनरिद्या
^{१५} ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००}
 एतय्येष्टः रूद्रगंधः सुगीधः स्या दामादीं मुखवा स नः। यूनिगंधं मुदूर्जः रूद्र विधं स्यादाम गंधियन॥ शुक्रं धुमं धुविः ध्वनं वि
^{१०१} ^{१०२} ^{१०३} ^{१०४} ^{१०५} ^{१०६} ^{१०७} ^{१०८} ^{१०९} ^{११०} ^{१११} ^{११२} ^{११३} ^{११४} ^{११५} ^{११६} ^{११७} ^{११८} ^{११९} ^{१२०} ^{१२१} ^{१२२} ^{१२३} ^{१२४} ^{१२५} ^{१२६} ^{१२७} ^{१२८} ^{१२९} ^{१३०} ^{१३१} ^{१३२} ^{१३३} ^{१३४} ^{१३५} ^{१३६} ^{१३७} ^{१३८} ^{१३९} ^{१४०} ^{१४१} ^{१४२} ^{१४३} ^{१४४} ^{१४५} ^{१४६} ^{१४७} ^{१४८} ^{१४९} ^{१५०} ^{१५१} ^{१५२} ^{१५३} ^{१५४} ^{१५५} ^{१५६} ^{१५७} ^{१५८} ^{१५९} ^{१६०} ^{१६१} ^{१६२} ^{१६३} ^{१६४} ^{१६५} ^{१६६} ^{१६७} ^{१६८} ^{१६९} ^{१७०} ^{१७१} ^{१७२} ^{१७३} ^{१७४} ^{१७५} ^{१७६} ^{१७७} ^{१७८} ^{१७९} ^{१८०} ^{१८१} ^{१८२} ^{१८३} ^{१८४} ^{१८५} ^{१८६} ^{१८७} ^{१८८} ^{१८९} ^{१९०} ^{१९१} ^{१९२} ^{१९३} ^{१९४} ^{१९५} ^{१९६} ^{१९७} ^{१९८} ^{१९९} ^{२००}
 धदः ध्वनं याधुनाः। अथदा तः सितालो न वन कांधवलो रू नः॥ रुद्रिधः याधुनः यां धूं श्रीयत्यां धुमुधूं स नः। कृष्ण नीला
^{२०१} ^{२०२} ^{२०३} ^{२०४} ^{२०५} ^{२०६} ^{२०७} ^{२०८} ^{२०९} ^{२१०} ^{२११} ^{२१२} ^{२१३} ^{२१४} ^{२१५} ^{२१६} ^{२१७} ^{२१८} ^{२१९} ^{२२०} ^{२२१} ^{२२२} ^{२२३} ^{२२४} ^{२२५} ^{२२६} ^{२२७} ^{२२८} ^{२२९} ^{२३०} ^{२३१} ^{२३२} ^{२३३} ^{२३४} ^{२३५} ^{२३६} ^{२३७} ^{२३८} ^{२३९} ^{२४०} ^{२४१} ^{२४२} ^{२४३} ^{२४४} ^{२४५} ^{२४६} ^{२४७} ^{२४८} ^{२४९} ^{२५०} ^{२५१} ^{२५२} ^{२५३} ^{२५४} ^{२५५} ^{२५६} ^{२५७} ^{२५८} ^{२५९} ^{२६०} ^{२६१} ^{२६२} ^{२६३} ^{२६४} ^{२६५} ^{२६६} ^{२६७} ^{२६८} ^{२६९} ^{२७०} ^{२७१} ^{२७२} ^{२७३} ^{२७४} ^{२७५} ^{२७६} ^{२७७} ^{२७८} ^{२७९} ^{२८०} ^{२८१} ^{२८२} ^{२८३} ^{२८४} ^{२८५} ^{२८६} ^{२८७} ^{२८८} ^{२८९} ^{२९०} ^{२९१} ^{२९२} ^{२९३} ^{२९४} ^{२९५} ^{२९६} ^{२९७} ^{२९८} ^{२९९} ^{३००}
 सितामं कामं न्यामलमच काः। योतो नो न रुद्रिद्रा रुद्रयाला। धरुद्रिद्रा रुद्रिद्रा॥ लादिनां रादिनां न कः। धादिनां काक नद

[illegible][illegible]

ना. वे

[illegible]

मठवाकनवायोसका आनामअनवाय मेहेरपायानाम
 मोहविलवमेव याजिव धनकायायानभायायानभिखावाय मेवयावपु०००
 मेवयाभिनुगुलाज्ञानतदुत्तरविवाकतत्रसुवाधाय मठवाकनमसुवाधाय
 यययान्यात२३ कानिफिनिकाहिक्काउ यनष्टविषयस्युला नू कानिनीयाध्याय दायायायागुराध्याय विप्रविनाध्याय विदधा
 मयूरकाकोडुधुक्रियायध्यायाननायधु वियतीसात्ररुह्यिकायकाध्यामिषायाय यनियानूदूधुक्रियाय धुवोयवनितीत
 मूमादेष्टिरुविममथायमानायियगांरुद्धयमरु ह्यधदादुदूकांकास्युदुहृह र्वांकलियामनायथशकामाहिलाय
 यधु समरुत्ताससादया॥ उयाधिनोधमविना यस्याधिमोनमोयथायात्रिनासुतिनाध्यान मेत्वांभक्तिकसमडसा
 हाधवसाय४स्या सुवीर्यमतिहाकिहाक् ॥ कयटाकुवाजुदहा यदयधुयकनवीकृष्टनिनिनूति४संभुं यमादानवधान

२०११ श्री गणेशाय नमः

30

अलसि

शुद्धामय

22

三

1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 2679, 26

100

10



23

10

2000

प्रशकदकु पिशककु तमत्रोदपिस्वान्तदृष्टिधाय

100

100

10

10

कृपयानाम् इकधत्रयत्रयवयानाम्
 उच्छायानाम् उच्छायानाम्
 नामलोकयानतक्रम

五、

1

विह्वल

पञ्चमस्तुगन्धर्वयवयवूषकयाथकृष्णविमरुच्छ्रवडसुवडा॥३८॥ श्रीनख्नवनजश्रीक्षीरुवनयानिलवल्लभ वरा
 यातुयानाम
 द्याद व्यासनाम पुषियागास मगुयानाम द्याद व्यासनाम

॥ ना

नि

卷之五

गला नागला वायकू न गुधन विवनी विला कू दानि द्य धन नो क दधु स्व नु वया म्। घषा न कू वटा कु। विव्व नु स न र व गु धन
सामान्य लिखू
कुलीन लिखू यान अंधन प्रमंशय
राक लिखू
दशदिवा
नोधि ह्यात सन प्रमंशय
सामान्य नागया

४७

८

२७५

[illegible]

नदीव

81c

一

सुदोषवप्रशोषधानकावापुकिमु सय्यत्राऊथोगमनस॥ तिलिस्म॥ स्यादेकगत्रायवोहसंख्येनो॥ अलगद्वैजलयाल॥ स
 धन्विनी ३ य॥ अमनती नगरवि खलियेकती नदविष्णुनयोकावे घाथ मय

ग्राहि

2

五

मोनाजिलदूहो। मालुअनामाउलाहि निमका मक के यूकषा प्रयष्ट यदा कुरुं गुरुं लाहि रुं नमहा श्रीविष्णो विष्ण

1

100

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

वा.वे.

[illegible][illegible]

वल्लभकमूदनी ॥ कमूदिन्या नलिन्या ॥ विमिनीयदिनीमूखा ॥ वार्यसियर्ष नलिन मयविन्दम ॥ लोह्यनी ॥ मरुप्रयर्षक
 चतुर्वर्णनक्षत्राय ॥ यल्लवने क्षाय ॥ सामान्ययल्लनाम ॥ ४० ॥
 चतुर्वर्णनक्षत्राय ॥ यल्लवने क्षाय ॥ सामान्ययल्लनाम ॥ ४० ॥

॥ सप्तमस्तुनादिकाद्युपयुक्तसंगवसमर्थितः ॥ ॥ वृत्तं यथैव नृपद्वयं दत्तं सविमृगादिभिः ॥ नृपद्वयः

वने धनया सो गायान धी केथन हाय

युष्कीयानाम

भु.३

गविर्द्वेष्टसां गायाने निहादितां ॥ सुहृ मित्र वलानका नसाविश्वं रु नाहिना । धना धनि प्री धन निः काली अका धयी कि

धनयुष्कीयानाम

वायानाम यवि वायन मसापला गायिना

निःसर्व सदा वसु मती वसु धावो वसु धना गायाना ॥ यथि वी यथी का वनिर्भादि नी मही मृ मृ कि काय ध सा उ मृ सा मृ साव

ममल नसे के यनि नया बोडे वा
सनी नाके यी धयान उर्वता वा

वा नो नया नाम पवन
समी मना के वा

या क मु या न को न

धनि मु

नख नमला क मु यानाम

मृ कि का उर्व ना स वे म सा द्या सा दू य ॥ दान मृ कि का ड व ना नू य मो दा व य न लिं गो सु ले सु ली ॥ समानो म नू ध नानो द खिला

इव ल मु यानाम

नगन संता सुवन यानाम

जै व ही य स द नी मुं मु नि व र्ध ॥ धन याम धन मु या स कि वा हि मो त्र य यू र्ध व कि न न मु द या ध द ग म य

२

यु रु त म मा पि ष्ठा थ ऊ ग नी ला क ॥ पि ष्ठा यं रु व न ऊ ग ना ला का यं रा न न व र्ध ॥ ध ना व ला मु या व ध ॥ द ग ॥ या म्द कि ण ॥ या अ

य धि म उ रु त म सा द द ग न या क व द न हा का मु क द म म य

म म्द य म म य

य मु त्रि स म्द क म्द य म म य

न व द न

उ दी अ ॥ य धि मा रु न ॥ य ल ना म्द द ग ॥ सा न म्द द ग मु म्द म म ॥ आ र्था व रु ॥ य ध र्म मि र्म धा वि धा रि मा ग या ॥ नी वृ ऊ

य र्ध म म्द न य धि म म्द न द मा य य र्ध न न वि धा य र्ध न न ना य र्ध न म य

हि मा य य वि ष्ठा य र्ध न म्द य र्ध न म य

ध ना य म मि य ड य द ग म य

सा मा य द श

म म्द म्द य म मि

न ल य न द व र्ध

न य र्ध मु

न य लो न य न या व बो धा

य व य मु

वे दि मि अ य लु धा ना न

य र्ध व न

न य दा द ग वि ष्ठा य नू य व रु नी पि ष्ठा ग ना न उ या य न नान ध ल ॥ य वि ॥ क म्द ना क म्द या य व न सा न दू व न ॥ धा द ल

सा ॥ न म नू द म्द ना
य र्ध य व रु

पा र्ध य ना य द व रु

न र्ध य व रु व न मु

अ धि क ल म्द य ना न म्द क व न मु

धि यानाम

या म्द मु

॥ धा द रु वि न म्द व ल यं कि ल ॥ ज ल या य म नू यं सा लू सि क रु स थ वि ष्ठा ॥ धि क ना ध क लिल ॥ धा क न ॥ धा क ना व ना द ग

न उ धि धा

रु मु आ क पि

धा या न र्ध न ना स थ रु व र्ध म म्द व ना हि न क व स थि क रु मी म य

सु रि क रु व द ग म य

उ वा दि मा व व म्द न या ॥ सि क ना व नि दि र्ध न र्ध वृ वृ वृ सं य न वी रि या लि न ॥ सा न दी मा रु का द व मा रु क ध य थ क मी म्द

ध मि क ला ज थ न द ग

ना ना रु क द य द ग

म म्द यानाम

दू नि स र्ध व रु ॥
६१ द यो बो धा थ

य र्ध न न ग य धि यान मु

सु र्ध य ना का पु ना दि न पा न न या अ

ना रि द ह ना रु ना सा रु ना य न ना रु वा ना ॥ ग म्द र्ध ना रु न क न लु गो षी न र्ध न यू व र्ध ॥ य र्ध न रु ॥ य नि स न ॥ य न लो पि

सा य दि न र्ध यो वा धा

यां य मा न्ना वा म भू ल ध ना क ध व ली के य न य म्द की नू य न व र्ध मा ना ध यं थ न ॥ य द वी सृ नि ॥ स न नि ॥ य द नि ॥ य थ र्ध

संयानाम

अथमुद्रा
हिंसाक्षय

अथमुद्रा
महिंसाक्षय

म.व

न्यकयदीनिवाः क्रियेयं धाः ४ सूर्यं धाः ४ सत्यं धाः ४ विनोदं धाः ४ वाः ४ धाः ४ कदम्बा कायं धाः ४ समाः ४ अर्यं धाः ४ य

कलाक्षय

कलावर्ज्याया

ताजिनसाकमश्वत्थायानजानेय

वृत्तनवनेमजिवलेकीनकाता

रुयंकपला

नेत्राकुमानाम

थं ४ ल्य ४ गठकवडुयथायाकनैदूवधून्धा धाः काकावावसदूर्नमीगयूति ४ मीकाधयूगं नख ४ किष्कवडु ४ धर्मादीना

महर्

दमतचिरावयना

नगयानाम

छायमियननकदवदध

निरुयनधासदवनगर

यथ ४ संसर्धं गत्युपस्थापनिष्कर्ष ॥ १८ ॥ अतिरुमिवर्ग ४ यूरुमीयूनीनगयोवा यरुनेयूठरुदनी ४ नीयैनिगमानु

मृत्तमगवनविधाजनकिमान ४ अखानगर

वधायनितमयवावडादध

रुगयानामपस

ताजिनानाम

२२

यन्मूलनगनात्युर्वी ४ क्खाननगर्वेव ४ वधायनसमाधय ४ ॥ आयनधुनिषयायां वियदि ४ यधवीथिका ४ बधायना

गुमिन्नायावाग्यानाम

यावदा

याकायानाम

मृद

आठवाठावदाठानाम

लीविनिखा ४ यथावयमक्रियां ॥ याकावावदध ४ धाल ४ यावीनैयानगावृति ४ हिरि ४ मीक ४ मशूकी यदनन्ये मीकी

कृयानाम

कसागुरुलादवसिर्न वधसद्वनिकनर्न ॥ निषानकवसू सदने रुवनामत्रमदिनी गृहा ४ यूसिचरुभव निकाया

कृयानाम

त्रयाद

मधियाआधमके

कृवडयि

निलयालया ४ वास ४ कृदादया ४ धाला ४ सूर्यसंयव नैदिद ४ वडु ४ धाले मनी नाउ यधू धाला ४ ठाक्रियां ॥ वैद्यमाय

मयावधन

निवाकमिलुआयाकयानाम

अमाननेयक ४ यानिधलाक्षय

लिकुवाकाके

अकृथिके

नने ४ ल्य ४ वाजिधाला ४ मंदवा ४ आवधने छिलिधाला ४ ययायानीयधालिको ४ म ० धुयादिनिलया गंजाउमदिनागुरु ॥

वासयाकाके

भावाजायनयके

जाल

माधाके

धनितासके

दवकनाजके

गुरुगर्ववासुव मविष्कृतिगागुरुवातायनगवाक ४ ध्या नैठयामीक नाधय ४ ४ म्यादिधनिनांवास ४ यासादा

धवनागुरुक्षय

नागुरु

नागादकाके

कृयालकृदायनैधनकादि

दवह ४ जां ॥ सोरधमी नाजसदन मयकार्थीयकारिका ४ हिरिक ४ सर्वतारुडा नैयावर्कदथायिवा विष्कृके ४ यरु

श्री.क.

^{पर्वतमाका} ^{पर्वतकटपन} ^{पर्वतनयाकवर्तन} ^{सीतमहाशयव} ^{पर्वतजात} ^{वा} ^{पर्वतहृदयकाकापर्वत}
 टकाफुनिगमादृष्टं सानुनफि यो। दृष्टं यप्रवर्तवात्रियवारुनिर्मासवर्षादनीकुर्तदनांफु चवखातविलुका
^{तवभावायांभावासीधीववाक} ^{लतप्रयात्र मयपर्वतयासमीजवाकपर्वतयाता} ^{पर्वतयाकटु}
 गदनेगधुरोलापु अनाकुलायलागिबहीखनिः प्रियामाकनः स्या त्यादायखनयवता॥ डययकायनासनाह
^{पर्वतयाकटु} ^{मननिनरुनितायगाएम् ज्ञापकपुथ} ^{हिकवागुधीकादिपीनाकयुसवाकटापयानाम}
 मित्रमधिसका। अउर्मनः छिलायद रोचिकु विहायतः। निरुर्ककुओवाकीव लतादियिदितादवा ॥ २४ ॥
^{दयकावनयानाम} ^{दुयानाम} ^{तवभावायुयानाम} ^{कुमदयकायउकनयानाम} ^{कुमदयकावन} ^{दयका}
 वर्तनः॥ अरुवायविपिनै गरुनेकाननेवने। मरुनधामैव व्यानि गृहनामापु निष्कटा॥ अथमः स्यादैववनेकृषि
^{वनयानाम} ^{मरुनलानकेडकनथखनदकवैगिकाभय} ^{गजाप्रउकानभाकीकभय}
 मवतनमैवयता। अमायगहिकागला यवनवृद्धादिका॥ यमानीकीउडआने नाहः साधवर्तवने। स्यादैववयमद

24

^{गजासजकयप्रसजप्रकनयागमावउकानयन} ^{वायाथयेथलीदवायानाम} ^{तवभावायुमदवाकयानाम} ^{वृत्तिवयानाम}
 वनमकः यत्राविनी वीथीलि नीवलिः यकिः ॥ १ ॥ धनीलखापु गऊयः॥ वन्यावनसमूरुस्या दैक नाकिनवाहि दिव
^{विमायानाम} ^{धनशिमाम} ^{वृमहाय}
 कामहीनरुः ॥ अखी विटयीयादयफ नूः। अनाकरुः ॥ ० ॥ अलः यलागीदूमागमाः॥ वानस्यत्यः रुलेः यषा रुनय
^{सवयानाम} ^{विहलयाकाको} ^{वमममवमिमा} ^{मममवमिमा} ^{मममवमिमा}
 स्याद नस्यानिः। अथमनेः यत्राविनी स्यादैवधः रुलप्रकिः। वधः रुलाइवकगीव रुलवाहलि नः रुही। यरुसात
^{वाहावमिमा} ^{वानलस्यवाकमियानाम} ^{मिन्नयानाम} ^{कवायुनिलवमिमा}
 लसैरुल याकायविकचरुः। अरुलः वृनविकसित स्यवधः आदयफि व॥ अरुवानीनाकवः ॥ १ ॥ अरुलः वृनविक
^{मिन्नयानाम} ^{गुलि} ^{गुलि} ^{हजनावउयुआदियेयानाम} ^{यवतयादिये लिआदिपेइलायकाव}
 रुः कयः। अयकांउफ वगुलो वलीउवगतिहता॥ लतायुतानिनीवीनं गुलि नैलयः अरुयोनमयावाहडकय

अथविनामरुवमिः

थस्यां स्वादूकं क० विरक्तं क० म० मृदा वृक्षा प्रथिला व्याघ्रयादपि वि० वावन नागव० र० नादयी हूमिर्जवृक्षा निन्दूक० स० ज०

व.व. क० कालं स्त्री वृष्टिनि सावका० काकं न० क० लक० काक यीतूक० काक निन्दूक० र० गालीदा आठला द्यंटा याट लिमो क० मूक० को० ३२

गिलक० क० न० क० धीमान् सभोपि वृत्तमावृको छीयर्कि काक मृदिका क० रीकटयक इलो० कामक० पट्टिका ख० स्या ल्यधीर्त् २१

कायसाधन० न० नूदं युष० कामका वृक्ष० व्यावृक्षदाय० गूलं वनीयपियक कदं वा मृदु लिथिया वीनवृक्षानूकनामि मूखी

रुस्त्रागकीपि म० ग० द० रूतकंदनाल कयीतनसूयाध्वका० य० क० धृतिरुजिर्विवा मि० का० यीतसालक० स० क० कास० न० व० धूक

य० ध० यियकजीवका० सालं सु० स० क० शो० ध्व० क० का० स० स० व० न० नदी स० की० वी० न० न० वि० द० द० ० क० क० ल० क० न० न० राजाद० न० रु०

ला० ध० क० की० रि० का० या० म० थ० द० या० ० रू० द० ती० ना० य० स० न० रू० क० व० मि० मृ० द० ल० वा० पि० कि० ला० यू० न० धी० मा० वा० कि० ना० यू० ० न० स० ति० ० वि०

ल० वि० क्षा० न० क० मा० ल० ० क० न० ० क० ध० क० री० ज० क० ॥ य० की० री० ० यू० ति० क० ॥ न० ० क० ० यू० ति० क० ० क० लि० का० न० क० ० क० री० ० क० रु० दा० ० ० ॥ य० म० क० र्क० द्यं० ग०

न० व० ल० नो० ॥ ना० रि० ना० रि० न० क० ० धी० रु० न० क० द्वा० ति० म० यू० ध० क० ० ग० य० गी० वा० ल० न० न० य० ० ख० दि० ना० द० न० ध० व० न० ० ॥ अ० वि० म० दा० वि० दू०

ख० दि० न० क० द० न० ० ख० दि० न० शि० त० ॥ सा० म० व० स्त्रा० य० थ० या० ध० यू० क० ग० व० व० रु० रु० को० ॥ न० री० ० उ० ड० न० व० क० स० न० व० क० धि० य० क० ध० स० ॥ ग० स०

^{मदनहन} शुभदशके यादयः याविरुद्ध कः रुद्धा नूदु किलिर्म यीतदा नूयदा नूय॥ युनिका र्वस्यस्य ^{आदवपानसि} देवदा नूयथ दयाः

व.व. याटलिः याटला माया कां चरु लीरुल नूला॥ ^{वगुहिनोति} कृष्ण वृना क नो वे नो की ^{पाठनी} अमा उमहिल्ला दया। लना एतदिनीरुं

दा यिये उरुलिनीरुली॥ ^{५५} विष्वक् ^{प्रियगुह} नागं वरुली कारे रायिय क प्रसा॥ मधुक यर्ययार्ध नठकदं गदं द काः ^{५६} श्या

नाकधुक नासर्क दीर्घवृक कूट नटाः॥ ^{मधुविम} नक ध्यान लो गिश्वा ^{नवनयानो} रुला ला मल की गिष्वा ^{५७} अमृता च वयः क व गिलि

मधु विहीन कः॥ ^{वहनउवाग} अक मधु मः कर्त रुला ^{५८} रुग वासः कलि द्र मः ^{५९} अरु या त्र था यथा वयः क यून नामृता।

26

रु श्रीत कीरु मवती वत की ^{हनदमिया} एयसी भिवा॥ ^{५९} यीत दू ४ सल न ४ युति ^{आसि} का र्व वाथ दू मात्यल ४ कर्कि का न ४ य विद्या ^{काषदमनी} ए

ल कू वालि कू वा उदू ४॥ ^{वनमसि} य न स ४ कट कि रुला ^{रुनस} निचूला मूज ^{कृतकने} ऊल ४ का का द म वि का रुनु ^{६०} मल यू र्ज य न रुला ^{६१} अ

विष् ४ सर्वता रुद ^{निम} हि उ निया स मा ल का ४॥ ^{६२} पिचू म द्ध ^{सिमवसि} नि व थ ^{६३} पिक्किला ^{६४} गुनू ^{६५} निमया ^{६६} कपिला रुस ग री सा ^{६७} निरी

मधुक यीत न ४॥ ^{वयव्वा नसि} वा य य ४ क स वा नाग ^{नूयकेन} क स न ४ कां व ना द य ४ ^{६८} ज या ज य की क कती नी ^{६९} ना द यी वे ^{७०} ज य नि का ^{७१} णी

य दू म निर्मथ ४ ^{७२} श्या ^{७३} कृत्तिका गणि का ^{७४} नि का ^{७५} ज या थ कूट ज ४ न का ^{७६} वत्स का ^{७७} नि नि म स ^{७८} नि का ^{७९} नि त श्ये व क लि ^{८०} व्य द्य य व

अकठवीर्यामन्दकव

यनियामस हायखान

गमायति

रुदयवैरुलं॥कृष्णयाकरुलाविन सुषमा॥कनमर्दकीकालकृष्णमालया रूयिष्ठायाथसिधक॥सिधवाय

वासिखडीलि

दवदायति

रुयानयानाम

२२ सुविमो निर्गुणियाधिकवयोवधीख नागवीदव गाजाजीमूगखयिाधीरुफि नीउरुनूती हनधू न्योमसिका

क.व.

सिद्धागति

वृयतका

वैवताकाव वाखडिनि

गायवादिखडिनि

॥रुयदीधनहीनूधु सेवाक गाव नारुवाखरुलिकाउ सुवला निर्गुणी नीलिका वसा॥सिमासोखनसुवसा रुत २२

पुतिगीखान

अयुगुणीगीखान

काष्ठंजिगीखान

वध्यथमागधी।गनिकायूथिकामृष्टा सायीगाह मयूषिका।अतिमूक४यू३क४या दासनी माधवीलना॥समनामा

जिगीखान

नैवानिखान

वैधनीखान

ककनीखान

संवनखान

लनीजाति४ सफलानवमालिका।माथीकूंदनककसु वैधूकावैधूजीवक४।सहाकमा नीगनलि नम्रा नमुमहास

अकठवीर्यामन्दकव

अयुसंवनखान

नीयकायकखान

३३ हागवृक्षाक्षकनूवक सुगयीन कनूठक४नीलामिष्टीदयावोला दासीवारुगलधसा॥रुनीयकसु मिष्टीया रु

कगगाखान

विशिष्टंजिगीखान

ककनीखान

हामनवायागानेवेवे

सिन्कूवतकावृक्षायीगाकनूठकामिष्टी तसिन्कूवतवीदया४।अंउयूष्यंउवायष्य वक्रयूष्यं गिलस्ययन्॥

सिन्काखान

ककनीव कवीयखान

यतीहासहातयास वैगानरुयमालेका४।कनवीनकनीनय ककनयंथिलावृक्षो।उमरु४किनवाधूको धूमनक

दधन

दवय्याय

नवस

कनस

नकादय४।माउला मदनधुस्य रुलमाउलयूष्यक४।रुनेयूवावीजयून नूवकामाउलंगको॥समीनक्षमनूवक

वखीयागाने

रवयेयुन

गायखनवैधुन

विगका

४यसूयूष्य४रुदिअक४।जवीनायथयक्ष्मस कठिंजनक१०नको॥सिन्कूकाययापीउ विगकावकिर्लक४।

अमसे

^{अर्कवात} ^{नागमर्कवात}
 अर्कवात न गूढवृत्तिकी वृक्षाः ॥ मंदान्ध्रार्कयर्कयन्तु केलर्कयनायशो नितमन्नीयाद्युयन
^{सुयमान} ^{सिंघवेदशियानाम} ^{गुदगु} ^{८२}
 काशीलवकावसूशावदावृक्षादनीवृक्ष नृहाजीवकिकथयि। तस्यादनीच्छिन नृहा गुहूवीर्गयिकामृता ॥ जीव
^{व-व} ^{गुदगुसिनाम} ^{मनोन}
 निकामामवसी विद्यामध्यययि। मूर्च्छादवीमधूनसा भागटातऊनीप्रवा। मधूलिकाधनृध्वनी ॥ गमकः
^{सदासयानाम} ^{सत} ^{पापम} ^{कवक} ^{३०}
 धीयोलूययि। याधामृष्टाविदकली कृयनीधयसीनसा। काशीलायायवली यावीनावननिकिका। कदू४
^{कटव} ^{कुरुस} ^{कडक} ^{समपिद}
 कटहनाधक नादिनीकदूनादिनी। मस्यायिराककदूदी वक्रांगीधकलादनी। आसुरकाऊठा अंठा कीपूना

^{रुलि} ^{कुरुस}
 यावृषायधी। मयाथाका गूकनिमिः कथिककृधूमर्कटी। विगोयविगान्याध्वी डवनीर्गवनीवृषा। यथकृत्तणी
^{कुरुस} ^{अपामाव}
 मृगध्वी नृधूमूषिकययि। नृयामान्नेः खत्रिका वामान्तमयूनको। यथकृयध्वी कीधयध्वी कि निहिरवम
^{ति} ^{८२} ^{हमगी}
 ऊनीरुजिकावाधनीयदा रागीवाधयध्वीका। नृमीप्रवसीवालया धकवव्ववदकाशा। मीजिष्टाविकसाजिंगीस
^{मन्ना} ^{नाम} ^{८९}
 मंगकालमयिका। मीपूकयध्वी यथकृरुणी नी रुजीयाऊ नवस्ययि। यासायवासादस्यमो धनयास४कूनासकथा
^{दुमान} ^{८९} ^{८९}
 नादनीककूनानक समूडानक दूनालहा। यथकृयध्वी यन्त्रियध्वी विगयध्वी विवसिको। कादूविनासिंरुयूकी कल

^{यस्यवर्ग} सिद्धोदनिर्गुहानिर्दिष्टिकासृणीयायी वृहतीकंठकारिकायैवादलीकृद्रादू४स्यर्षनाष्टिकहयि॥नीलीकाला
^{जके०गीन} ^{कली१} ^{नीके०गीन वादिमि}
^{वैली०न वाकूवीयानाम} कीनकि का प्रमीषामध्यर्किकां विजिनीधीरुलीउक्त गृहीदालावनीलिनी नूवमु३४सामनाडी सुवदि४सामव
^{वकूवी विविल} ^{२४} ^{२५} ^{२६}
^{विपनि} ^{गज विपनी} ^{लिपि नाम} ^{स्वैवा० ल गेम} ^{३१}
^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००}

^{नागर्जनभायाद्यासद्यावचक इन्द्राकनलकावलाकमवात१} ^{नागर्जनसि} ^{१०१} ^{१०२} ^{१०३} ^{१०४} ^{१०५} ^{१०६} ^{१०७} ^{१०८} ^{१०९} ^{११०} ^{१११} ^{११२} ^{११३} ^{११४} ^{११५} ^{११६} ^{११७} ^{११८} ^{११९} ^{१२०} ^{१२१} ^{१२२} ^{१२३} ^{१२४} ^{१२५} ^{१२६} ^{१२७} ^{१२८} ^{१२९} ^{१३०} ^{१३१} ^{१३२} ^{१३३} ^{१३४} ^{१३५} ^{१३६} ^{१३७} ^{१३८} ^{१३९} ^{१४०} ^{१४१} ^{१४२} ^{१४३} ^{१४४} ^{१४५} ^{१४६} ^{१४७} ^{१४८} ^{१४९} ^{१५०} ^{१५१} ^{१५२} ^{१५३} ^{१५४} ^{१५५} ^{१५६} ^{१५७} ^{१५८} ^{१५९} ^{१६०} ^{१६१} ^{१६२} ^{१६३} ^{१६४} ^{१६५} ^{१६६} ^{१६७} ^{१६८} ^{१६९} ^{१७०} ^{१७१} ^{१७२} ^{१७३} ^{१७४} ^{१७५} ^{१७६} ^{१७७} ^{१७८} ^{१७९} ^{१८०} ^{१८१} ^{१८२} ^{१८३} ^{१८४} ^{१८५} ^{१८६} ^{१८७} ^{१८८} ^{१८९} ^{१९०} ^{१९१} ^{१९२} ^{१९३} ^{१९४} ^{१९५} ^{१९६} ^{१९७} ^{१९८} ^{१९९} ^{२००}

वदेदी

साहानवा

शक्तिपुलकमिदृष्ट विठंगंयन्त्रसेकीवलावाआलकावेडा नवाउद्ययुधिका।मृदीकागासुनीदाकासादीमधुनस

मिदि १०७ मिवा।सर्वानरुमिःसुवहा प्रियठप्रिवृष्टिगु।प्रिहृतीवाचनोआमा यालिओउसूयलिका।कालामसुप्रविदलाइ

व.प.

वदवाहावदवा

सूमीन

हीनविजनी

नायहीनविदानी

वंडाकालमषिका।मधुकेकी नर्कयकि मधुकामधुयकि।विदानीकीप्रगुक्रु गंमकाकीययासिता।श्रुयाकीप्रवि

हाकहीनविजनी आनावा

द्वकने

प्रयनसिमा

३२

दानीया नहालवतकगधिका।लांगलीमप्रदीनाय प्रियालीनकलादनी।खनावाकाप्रदीदीया मयूवालावमरुक॥ १११

११०

उउकोसेमम

केरमा

गायीआमासाविवायादनकोललसाविवा।यायमृदिःश्रिदिलक्ष्मी वृद्धप्रयाकया ११२ मोकेदलीवाववसा रेहाभा

उमग ११३

हीना

इउम

बांधुमरुला॥काकीलामूनेयकीउ काकमूनीसुहलया।वाकीकीहिं गुलीसिंदीरुंटाकीद४यधविधी॥नाकलीसूयसा

११४

महासुंघ

मनयति ११५

गाम्ना सुगंधगंधनाकली।नकलकाहुकंमकी कृयाकीसुवहावसा।विदाविगंधांधुमनी सालयकी छि नाधवा।उठि

कपास

वनकयाम

मेजा ११६

विभूयानाम

कनीसुमद्राका कार्यासीवदनीकिवा।हाप्रदाजीउसावया ११७ मीउमषरावृषधी।गैगनूकीनागवला अषाद्रुहग

विधि

यासायानंद

अयागठ ११८

विथागठ

सायथागत

आनावा

वधुका।आमार्गवायाषक४या नहाजालीसयीनक४।अहनीयटालिकाजाली नादयोहमिऊवका।यालांगलियमि

कवाआनि

११८

हंसपाद

नानमून

नूकृष्टीमीमियामियावासन

मनयति

मिखा।काकांगीकाकनामिका।गायायदीउसुवहा मृगलीनालमूरिका।मृऊमृगीविवाहीया।नीकिहादाविकसुमा॥ ११९

^{गान} गांवूलवलीताम्वली ^{गलकडन} नागवली ^{कदरलि १२१} याथदिजालु नधूत्रवृकाकोनी ^{१२०} कपिला रुसगंधिनी ^{गल} गलवात्कमेर्य ^{गल} सुगंधिह विवा
^{व.व.} लूकावालक वाथयालंश ^{मिठि} मूकच४कूदूकूदूत्र ^{वाव} वालंकीवप्रवर्हिषा दीर्थकलामूनामवाकालानसाथवृद्धाभयष
^{विनाजन १२२} नीमनिवा निडालेलयं नालयकू उ देवा गंधकूटीमूनागंधिनी ^{मिठि} गजर काउ ^{१२३} सुवहासुप्रहीप्रसा मरुप्रभाकंदनकी धर
^{धमिखान १२४} कीकादिनीगिवाभुनिकासासुरिकु उ वाउकीधर यषिका ^{उला} यृथीकावन्दुवालेला निष्कृष्टिद्वकलाथसा ^{१२५} सुशायकविकाउ
^{सुकम्यान} लू कारीनीप्रियटाकूटि४ ^{कूट} शाविकूषयाविराज ^{गल} शायीयाकलमूल्यल ^{गल} नीखिनीवात्रयूषीया ^{१२६} कनिन्यथविउ नक४मा
^{१२५} दिहायकूट

३३

^{आवगलि} टामलामटाली ^{यथोक्तनीकलयासियसकष} निवानामलकीनिव ^{१२७} यथोक्तनीकथोक्त ^{नदिदकलयासि} मथउ न४कूवत्रक४ ^{१२८} कलि४कक४का नलका नन्दीवृका
^{इन्द्रवज्रगलथ} थनाकसी ^{गंधवाचन १२९} यैगधनरुनीकम ^व दूषगगलरुसका४ ^{विशखनकि} आगयूधंआयुनकी ^{१३०} कनैजयकूकावकी ^{नकी} सुविनाविद्धमनाकथा
^{आइसुसम} गोधिनेटीनेली ^{कयविनी} धमनैजनकणीव ^{१३१} रुनूददविलासिनी ^{१३२} छकि४गंख४खल४कालदलं ^{१३३} नखमथाटकी ^{१३४} काकीमूसा
^{नरुडी} उवविका ^{१३५} मृकालकसूनाइज ^{१३६} कूटनटदधयन ^{१३७} वालययनिथलवी ^{१३८} हवगयनगानद ^{१३९} केवरी ^{१४०} मूसका निवायं
^{गधन मण्डान} थियकू ^{१४१} धुकवर्हि४यूषी ^{१४२} खेयकू ^{१४३} कूनामनूनाला ^{१४४} उयिधुना ^{१४५} यृकादवील ^{१४६} गालय४ ^{१४७} समूदामावधू ^{१४८} काटि ^{१४९} तर्वा

युक्तोपायार्णवद्वयानाम

जटाश्री

सुवदत्ता

लंकायिकस्थिति। गयस्त्रिनीजटामांसी जटिला लामसामिषी। त्वय्यसूक्तदृष्टं त्वय्यवार्थवार्थगकी। कंचूयकाद्यावि

१३३

दगधि

वनसजायवयवृकनगदिपैअधधीय

भवताममर्कअधधीय

हयकथादावकंमकलकमाकताय

ववाकन

उक्तकाल्यकावधमूखक४३। यध्यजानिमागस्य नजानोसर्वमोषधं। काकाखंयययथादि गंदलीयाल्यमाविष

१३४

रुद्रदान

क्रादुवाकन १३६

शाविद्यागिनिखानका रुतिनीनकयूयापि। स्यादृकगंभ्रगला न्यावगीवृद्धदावक४। शंगवाकीउमल्यपि

प्रेदागीनी शोमनो

सुधुकीन

उमास १३६

३४

वयस्यशामवसनीययूयकी हेमवती स्वधुकीनीहिमावती। रुययूकीयुकाभाजी माषयधर्ममहासहा॥ उक्त

अस

वाधय

वधुकीन

सुधुकीन

नीवकरुला विविकायीलूयधयि। वध्वनाकवनीयुंगी खययथाऊगंधिका॥ गुलायकीउसुवहा साहायकनसा

काखरुसेयानोसखव

वसा। चांगनीवृक्किादक १०। मयसाललाजिका। मरुप्रवधीयूकामू वनस४। नवधयि। नमस्कात्रीगधुकात्रीसर्म

अदिनी १४१

मुद्रला नरे

खनलमेद वतपुरि

माखदिनीखयी। जीवनी जीवनीकीवा जीवनीयामधुधसा। कूचनीयामधुनक४। गंदस्वांगजीवका४। किननागतिका

खार

वधुकीन

काकनी

हनिमा नायतिकाथमयला। विमलाभागलारुवि रुनावर्मकयथयि। वायसालीखादुनसा वयस्यधमूकूलका४। नि

दाति

अनमोठ

वधुकीन

वधुकीन

कूसादनिकाययक् (अधुदमयययि। अऊमादागूयगंभ्र वधुदहायमानिका। मूलयूक्तनकाभीन ययययावि

१४५

क्षमि

सुधुकीन

१४६

योक्तवांनयथातिवनायदा वापदीयदवाविधी। कांयिल४ककंभ्रंदा नकांभावावनीययि। ययूनाउसुउगजा

लियायत

कष्टवययत

यहनममरुणनयलकासीकायत

लाखसात्रकमान् लविमानहवाकाशागतयत्रोयवरुला वधूमस्तु नगजना॥ वधव४ कीवकासु स्य यस्त्र नरुनि

१६१

अथि

दियानाम

नले

१६२

कंस

लाद्वताशयंयिन्नोयव्वयनूमी सुंदस्तु कनक४ न४ न४ सुधम न४ याट गलाथकावमसि यां ॥ १६३ गंक्षयाट गल४ यं

व.व.

खिसता

दिउ

कूष्मावडु

कूमवला

१६३

हमनिउवत्वजा४ नमाल ॥ १६४ सु सु रुंदा४ यं ५ कानावकादय स्यादी नर्ध वी नगर्न मूलथा नी नमसि यां ॥ १६५ नरुयं नलदः

३६

१६४

कूष्मावला

सकं आदिन गमूठाय

सथा समृधालं कला नयं ॥ १६६ लामरू की लयूलय मवदारु रुकाय ध्यान जदय रुधं गम्य क्वासाक यमखा नूयि ॥ १६७ नूमी

कूष्मा

वमम

शंखन

१६५

कूर्धकू (अदरु४ यविगुमथकलू वी) यो वशो गंवि क आमद वरु म्बक नोहि री ॥ १६६ गतिरु ययां यो माला हू रु धो ॥ १६७ वषी

वकल

द्याम

गारुद्याम

१६७

सकाठ आदि ये मरुथाद

नद आदि कदव

हिताय यव यमि २

वाल हं द्यासा यवर्म हवम र्क न ॥ १६८ हवनां मरु तिहू ध्या न आ उ न उ मरु ति४ हवना जाद यस्ताला नात्रिक ल

नरीकाव

१६८

वयमा

वव

वव

मुलांगरी ॥ १६९ धां टा यूर ४ कमू का युवाक ४ खयू नासु ड ॥ १७० रु लमू द गमन व हिं ताल सहिं ता फु य ४ ॥ १७१ खरू न ४ कन की

गामसि

वसमसि

सिंहयानाम

गाली खरू नी व हव द्रमा ॥ ॥ १७२ नित नो म वि व र्ज ४ ॥ ॥ १७३ सिहामू र्ण ४ यं वाधा रुयं क ४ क म नी रु वि ४ ॥ १७४

ध

व

हिंय

दू लदी वि नो वायु त न रु मु म ग द न ४ ॥ १७५ व नारु ४ वू क ना दृ कि ४ काल ४ या पी कि वि ४ कि टि ४ ॥ १७६ द द्डी या वी रु वु ना

रुयानाम

मा का अरु दान ॥ १७७ यि कि यि ४ यु व र्म ४ य व ग ॥ १७८ खा मृ वै गे ली मू खा ॥ १७९ म क टा वा न व ४ की ॥ १८० व नो कां नू थ

मकलयानाम १

^{कसखाहाना} ^{कसखायाखान} ^{कसखायाखिनसयाथायाखान} ^{कसखायाक्रिया समरुयखिवतापनामसामान्यगलया}
 स्यादिककावाहीमयूनस्य समोर्वदकमवको। निखायूगनिखंउरु पिक्कवरु नयसक। खगविहगविहग विहग
^{विहयस४सामाधि}
 मविहयस४। मकुनियदिहकूनि हकू नहाकू नदिजा४। यगप्रिययियनग यगत्यनवभंउजा४। नगेकावाजिविकि
^{सिं-व} ^{सामान्यरुगनु} ^{वाकुरंगन} ^{वावकाख} ^{खावनयनी}
 न विविदि नयनगुय४। नीअरुवागनूत्तन४। पिक्कना नरुसंगमा४। तमांविहवाहानीता म४४। कात्रीउव४यव४। नि
^{नगन} ^{दूकुरंगन} ^{नववा} ^{जीवजीव} ^{उकाय} ^{उमवतकेगन} ^{विषरंगन} ^{हितीदूनी} ^{धनवाग} ^{खासवाकुरवयनी} ^{आदान}
 हिनि४कूकू सलावा जीवजीवधका नक४। कायसि कसिदि रुका वरुकावकि कादय४। गनूत्यदूकूदा४यणं यग
^{जंगनयाया} ^{यायति} ^{जंगनयालाथ} ^{वीधाय} ^{थंवाय} ^{मंदनकाखीगय}
 गंयननूत४। फीयकूनि४कैयेमूलं वयुफाटिपुरुमि यो। यजी नाडी नसेजी ना न्यता४खगगकिक्किया४। यहीका

^{खरु} ^{जंगनयाया} ^{जंगनवा}
 बादिही नरुं कलाया नीउमदि यां। याग४याकारुकाठिंरु४यथूक४गावक४ निधु४। फीयसोमिथूनदंदै यूनगडियूनरुं
^{यकिभय}
 यूगां। समूरुनिवरुयूरु संधारुविसयवुजा४। कुमोयनिकत्रवान वालसंधाटसंवया४। समूदाय४समूदय
^{समूरुयादमूरुवां} ^{उर्थेदरुगल} ^{मयावगल}
 ४ समवाय४यथागल४। क्रियांउसंरुनिदृन्द निक्कू वीवकदमूकीदृन्दरुदा४समवग्न४संयसाथेयुऊरुहि४॥
^{थवथवजात} ^{रुनीनकावथन} ^{सामसन्नादिन समजकथ} ^{थवथवमोउधमोनवाक}
 सजागीये४कूलंयूरुं नित्रघ्नीयूनयसकीयिधूनां समआन्याषां समाजाथसवमिनी॥ स्यात्रिकाय४यूजनाही गूकन
^{वाजदियेगीयानाम} ^{वयभूतथान} ^{कसखायाखान} ^{वाकावतया वया जंगनयानाम}
 ४कूटसदि यां। कायागलोकमायून नेहियादीनितर्ग। लागहसका४यकिरुग। धुकासुगृककाधन॥४३॥

^{युवाज्ञानं} ^{या उवाचायाधवजातीकी} ^{मखीनीरुपमनेसकानयाकीनायायात्रिपदगीयाकलीधी} ^{उवाचाप्रधवजातीकीयानाम}
 याव्योडयाचाय्यायायी स्यादायायिचस्त॥ ^{१४} ^{मखीनीरुपमनेसकानयाकीनायायात्रिपदगीयाकलीधी} ^{१५} ^{उवाचाप्रधवजातीकीयानाम}
^{वावदस्यमिचयनमिसा} ^{वीनयाकी} ^{वीनयामास} ^{मावावासीथादकी} ^{कटनी}
 यीयातामीयसलकका ^{१५} ^{वीनयलीवीनयायी} ^{वीनयामास} ^{वीनयामास} ^{काताययायजामाव} ^{यसुनाययसुनिका} ^{१५} ^{मीनमिकाका}
^{दूगीमिसा} ^{वाकावामिसा} ^{हीदगी} ^{मवयाकसर्वामिसा} ^{नाआथआनयासनयेवामिसा}
^{सु.व.} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५}
 ठवीया ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५}
^{लातकिधि} ^{अकयनसर्वाकीयामिसा} ^{१५} ^{युधानवगम} ^{युधानवगम} ^{महाकीतावकेरुवगा} ^{१५}
 कीस्यादवृद्धाया ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५}
^{कीरुयलवकटनी} ^{सुवसवयाकजावमिसा} ^{नकायमाकी} ^{नकायमाकी} ^{यी२०} ^{नकायमाकी}
 सम।वियनिकातीकविका ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५}
^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५}

४१

^{नकायमाकी} ^{अनयानः अकाकेकी} ^{किथिमरुव} ^{यामदवकी} ^{वध्याकृन्मनिकधय} ^{गहिनीकृन्मनिक}
 ४युषमारुव॥ ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५}
^{आवनेभयकामाकुन} ^{नकायमाकी} ^{नकायमाकी} ^{नकायमाकी} ^{नकायमाकी} ^{नकायमाकी} ^{नकायमाकी}
 गहिनी ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५}
^{शमकसयनसदवमाकाकीनकाय} ^{आराजिनीकीयाकाय} ^{यनकीयाकदवमाका} ^{नितियाकाय} ^{करुयाकाय}
 कयकाजाग४ ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५}
^{वदयाधानदवमायाकाय} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५}
 कयपुष्टे ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५}
^{सतिरुपमनी} ^{आदिनिश्यावजावमिसा} ^{आनमसर्वा} ^{नकायमाकी} ^{नकायमाकी} ^{नकायमाकी} ^{नकायमाकी}
 तीयादी ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५}
^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५} ^{१५}

नकायमाकी

स्यदिनीलाला दूषिकान्नग्यामर्त्त मूर्ययप्रावडञ्चात्रा वस्त्रगोषामर्त्तहाकनूयूरीष्ययर्थवच्चस्त्र मन्त्रविद्याविष्णो

कपायकीर्ग

सामान्यकीर्ग

जायकास

क्रियो। स्यात्कय्यत्रकपालाफी कीकर्मकल्यमाह्नि च॥ स्यान्ननीनाह्नि केकालः यथाह्नि एकलानुका। निनाह्नि निकन

प्र.व.

दि० मी। याह्निह्नि निडयाह्नि को। मूर्ययनिकावयवा यद्यनाथकलवने। गगयय० सीरुनने शरीनेवयोवि

ग्रह० कायादह० श्रीवयसा० म्प्रियांमूरिह्नि नू०॥ यादायंययदयाद० यदयिधुन० म्प्रियां० मूर्यथीयटि

कगुह्नि यमांन्याह्नि नवसुया ० अर्जयायुयहगाजायु नूनयवाकीवदमियां० मूरिह्नि श्रीवयसां० मूर्यसुसधि

उत्सर्विकीक्षला
उकाय

मान

अभय

कहलदा

यनपाय

०यसिर्वकल०॥ गुदहयानयायूना वस्त्रिनाह्ननधादया० कटानाधानिरुनर्क कटि० धानि० ककदमी

मीसायायनयाय

हंका वधपट

यनस्रकनाक

यनया

यध्मनिगम० म्प्रियां० श्रीवय० रुदयनयून० कूयकोउनिगम० हयहीनकूकंदन। म्प्रियां० कटिथाधव

थानिलिंगनर्ग

मूर्यानी

लिग

खास

ह्रीमर्षि

यह्ववकमानया० रुगंयानिदया० निष्प्रमदामरुनहारुसी। मष्काहुकावृषण० यष्टवृषण० गिर्की० यिर्वि

यथसुवो

इयिपित्री

यकाथ

नुगफा

जालेफा

कूकी० नादनी० दस्तनो० कूको। वूवूकी० उकवायस्या ननाका० रुकाकनी० उनीवसं० ववकधु० यष्ट० उवन

ऊना

कोह

ऊ० लका

याका

यका

मूर्ययानाम

मंगना० ह्नि० धानि० नांसाफी संधीनस्ये वज्रकधी। वादूमूलडहोकक्षो याह्वमफीनयानध० मध्यमवावल

100

विना नमूनाया दूशा अथ वक्रवर्धनानि यमिनी नाऊ वनिका स्याद्विप्रसू विधीवसा यत्रिक मागर्मा कृ २४ स्यामादिः

उपेत

मा ३२ य

मनोहरा

मार्क नामृका उदरु नाऊ दनद समन्नाया व आ दूव ४१ स्त्रा ने वच्चा उ वात्रिकं सु सकाथयवाधनी अनूवाधय

ह शीयनीस काताय मधीरवधु न चासंनया

लेखायया

म.व.

गुलखा यथांगुलिनिभसंम न मा लय ग निलक विप्रका निवि (घषक) दितीयं चतु रीयं च नक्षियामथर्क कूर्मीर्कमी ४२

कृ २३ कृ २३

माला

जयत

नऊ नामिनिख वनवाही कयीन नी न कर्माका वयिधुने धीन नाहि न वंद नीला दाना द ऊ उ की व या वा १ लकाद

उपेत

धीन वंदन

मामय ४॥ लवंगंद व कूर्म धीर्मा मथयायर्क कालीयर्क चकालान् सार्य वाधममार्थकी वनिका पुन नाऊ रु लाह

कृ २४

किमिऊ आंगर्क काला गुर्वगु २४ स्यादु मंगलामलिगंधियनाय क दूय ४ सऊ नशा नाल स च व सा वयि व दू नूया

ध्यास

धील

१२८

यथ वृक दूय कृ मिम दूय को गुनू ४ यिठकी ४ सिद्धा या व नाय थया य स ४॥ धीवा सा वृ दू यया यि धी व दू स

धकृ २५

कलुन

१२९

कै कृ २५

वलद वो मृग नाहि मृग म द ४ व दू नी वा थ का र्क लो क काल र्क का हरु ल मथ क दू न म दि यां द न सा न धू न्द सेरु

क दू २५

१३०

मीरव

उयु नै व र थो व र न व न

१३१

४ सिनाया हि म वा नू का ग ध सा ना म र य जा रु द धी धू न्द ना १ दि यां गै ल य क्रि का ल नी र्ध रु नि व द न म दि यां गि

न क व द न

जीरीरान

१३२

लय धी उ य ती गं नी ज नै न क व द नै क व द नै वा थ जा ती का थ जा ती रु ल स मा क दू न ग उ नू क रु नी क काल य द

^{अतिविषयना} कदमशगणनलयनीवर्क ^{कमकस आदिनउरु} वरुकीखादिलयनी ^{वासययताया} वृक्षनिवासयामशस्य ^{नाशकखाननादिन कूवकीया} रूविनेवासिनेविषा ^{१३३} मेखा नार्मधमाला
^{१३४} ये ^{होकरखान} यशस्यारुदधिवामनी ^{माइनेइमानखान} ॥ ^{वसिआनस कूसीकागयकीगया} मालीमालामप्रजामूद्रि ^{संयाउकवनकुया} कषामअउगनक ^{१३५} ॥ यवसुकीखिलीविय ^{१३६} नायसुललामकीया
^{१३७} लेवमृरुलीविष्या ^{कुरकायाखानमाय} लै ^{संयाउ} ॥ ^{१३८} कदकीउगा ^{कुरययययवना} ॥ यकियेकदियमूनसि ^{३०} निखाखायीग ^{३१} खनो ^{३२} ॥ यवनास्या ^{३३} विखन ^{३४} आरा ^{३५} ॥ ३०
^{३६} मशयवियु ^{युवकयमाक} ता ^{३७} ॥ ^{३८} उया ^{३९} चने ^{४०} दय ^{४१} वरु ^{४२} ॥ ^{४३} ॥ ^{४४} या ^{४५} या ^{४६} नी ^{४७} य ^{४८} व ^{४९} नी ^{५०} य ^{५१} नी ^{५२} य ^{५३} य ^{५४} य ^{५५} य ^{५६} य ^{५७} य ^{५८} य ^{५९} य ^{६०} य ^{६१} य ^{६२} य ^{६३} य ^{६४} य ^{६५} य ^{६६} य ^{६७} य ^{६८} य ^{६९} य ^{७०} य ^{७१} य ^{७२} य ^{७३} य ^{७४} य ^{७५} य ^{७६} य ^{७७} य ^{७८} य ^{७९} य ^{८०} य ^{८१} य ^{८२} य ^{८३} य ^{८४} य ^{८५} य ^{८६} य ^{८७} य ^{८८} य ^{८९} य ^{९०} य ^{९१} य ^{९२} य ^{९३} य ^{९४} य ^{९५} य ^{९६} य ^{९७} य ^{९८} य ^{९९} य ^{१००} य

^{१३१} ^{१३२} ^{१३३} ^{१३४} ^{१३५} ^{१३६} ^{१३७} ^{१३८} ^{१३९} ^{१४०} ^{१४१} ^{१४२} ^{१४३} ^{१४४} ^{१४५} ^{१४६} ^{१४७} ^{१४८} ^{१४९} ^{१५०} ^{१५१} ^{१५२} ^{१५३} ^{१५४} ^{१५५} ^{१५६} ^{१५७} ^{१५८} ^{१५९} ^{१६०} ^{१६१} ^{१६२} ^{१६३} ^{१६४} ^{१६५} ^{१६६} ^{१६७} ^{१६८} ^{१६९} ^{१७०} ^{१७१} ^{१७२} ^{१७३} ^{१७४} ^{१७५} ^{१७६} ^{१७७} ^{१७८} ^{१७९} ^{१८०} ^{१८१} ^{१८२} ^{१८३} ^{१८४} ^{१८५} ^{१८६} ^{१८७} ^{१८८} ^{१८९} ^{१९०} ^{१९१} ^{१९२} ^{१९३} ^{१९४} ^{१९५} ^{१९६} ^{१९७} ^{१९८} ^{१९९} ^{२००}

सर्ववत्स० स्नानकल्याणवती॥ यतिर्जितद्विग्रहासा यतिनायकयधुन॥ य० हृदयिलेवनवधुन॥ (६०) हृदयिल

धने अग्निविवाह

मिमान पालाङ्गनोदय

वर्म काम अर्थ शोकलात अर्थ काम धर्मोता कामनीवर्मधा

दाहा ययामा ४ यागिणी ७ नी। यवाया प्रम्य धमध्व नर्त निधूत नैव ४॥ प्रिवग्ने धम कामा धे। वडवग्ने ४ समो

धर्म काम अर्थ मोक्ष धर्मोता अग्निवत् जुय काव ननुवर्मधा जिर्यामिला योवया नाम जन्माधा

कक ४ सवल संधु उरुद ४ न्या ४ लिग्वा व न स्य या ॥ निवृत्त वग्ने ४॥ ॥ मूद्रा रिषिका नाजन्ना वाद्रु ४ ४ वि

सामान्य अग्नि या

क्ष. व.

सामान्य राजा यान स माड धा

समिप सचोड राजा यनि सेन से वरया या नया ला राजा यान अधिश्चर धा

यथिय निवृत्त

यावि नाटु। नादि नाटु याधिव ४ द्वाह नृय नृय मही कि न ४। नाजा उय गता धम साम न ४ स्यादधी ध्व ४। वक्रवली ३। ३

वृत्ति राजा

वक्र वर्तिन मव राजा यान मं हरे श्वर धा

राज सुय यज या द्रव माड ला धिय नि यान आजा वि व्रजा एजा या नाम स माड धाय

सावरा मा नृया आर्म ल व्व ४॥ य नर्त नाज सूय न मलु लस्य ध्व ४। क्षणिय ध्वरु या ना ४ म स मा ४ ध

नृय ति गा गा स दत्री य गा स का धनं थैरा ज क राज नं कं धाय

पाय या के नर ख पे धर्म स ही न स जो जुर ये स वृ मंत्री या ना

मुल य धन या नाम

नाजकी नाज न्य कं व नृय ति द वि या ल ग ध क मा न्। म की धी स वि वा मा ला न्य क म स वि वा रु न ४॥ म ल मा या ४ य

चाव कि पर मान मा या नाम कर्म स वि व धा

भि म भि कर्म स म मर्थ जु व हा यो हि न धाय थ व पा थ ज क यो म र यु क्ता मे षु

पाय पुण्य या य मि यो ला मा जिन या नाम

ज्ञानी ही न श्वर धर्म ड वार पा र या ना

धनानि युना धा म यु ना हि न ४ द्रु क्रिय व ल ना र्ण। या दि वा का द द र्ण को य नी ल न दान या ल दा रु द्रा कि न द

राजरक्षा या क कृ द वा न

अधिकारि यार का ला

रुगा या अधि कारि या त स्या यु क्ते धा

लया अधि कारि या त भौ रि क धा

लका ४। न कि व र्ण स्त्री नी क रु ४ था द्वा द्वा धि क तो स मा ॥ रु य का धि क तो प्र म र्ण था धु म वृ द्ध नि षू लो वि क ४ क न

रु क मार आदि न आ हो म द ल का ला या त नै कि क धा

अन पुर या अधि कारि या त अन वं शि क धा

यु र्ते जो धा व र्ण व न रो पि नि न राजा त्री र था या क ल या ना

का धा द्वा नू या धा द्वा नू ने कि क ४॥ नू न ४ यून व धि क न ४ स्या द न र्व सि का ऊ न ४। सो वि द स्त्रा ४ क वू कि न ४ रु य

सो ना या नाम न ल क्ता र्थे

सेव क या ना

राजा या थ व नि क र्ण म नो र राजा र न रु धा

य नु नु मा दे श या लि व नि क र्ण म नो र राजा मी ना धा

त्या ४ सो वि द धा न ॥ ष ड व ष व न रु त्या ४ स र्व का र्थ नू जी वि न ४। वि ष या न न ना ना जा ण क मि य म न ४ य नी ड दा सी

स नु य धा ए लि सार ला राजा या त या मि या द्वा धा

वर्ण ना

न ४ य न न ४ या कि पा रु मृ य र्ण ४। वि यो वे नि स य ला नि दि ष द्ध ष द्ध द्ध ४। दि दि य द्वा हि ना मि व द स्य ण व

मित्र ला राजा या दे श न पर स चो र्ण ना जा उ दा सी धाय ड प कं म रु अ य का र म यु नि न

^{उन्नितयानाम} ^{युक्तयानाम}
 नागाश्रयन्यायकल्याण दक्षयुयसमंजसायकमोययिकलखं रुद्रमानाहिनीनवगान्यायवविषयवर्ष
^{भोरसयानाम} ^{अवदोदयानाम} ^{आज्ञायानाम} ^{न्याययाल्लुपसवोदुह्यायानाम}
 ययध्वप्रक्षुसमथनीश्रववादमुनिर्देखा निदक्षधमसर्नवसंशतिदिष्टाकावसंस्तुमयादाधन
^{अपराधयानाम} ^{निययानाम} ^{इगणद्विष्टयाज्ञायानामद्विपाशंधाय} ^{थनेकरयानाम}
 स्मृतिनिश्रामायनाधममुष्टुसमगूद्वानवंधनीदियायीष्टिदिष्टादंशानगध्वयधकावलिधय ७१
^{घतयाल्लुघातवाहभिनकरायाज्ञायानायाकेकोतिभागवियानाममुक्तधाय} ^{देशवस्तुयानाम} ^{ईहिआदिसजिरयातवियादुस्तुयानामदायकापहराधाय}
 द्वादिययुक्तोष्ठीयारुतुयदधनीडयायनमययक्रममहावस्तुधायदायागकादिउयदयस
^{तकारयानाम} ^{जुयिगुकालयानामआयतिधाय} ^{नकालंतंकललुघयानामसादृष्टिकंवाय} ^{लियतमजुयिवकलयानाम}
 दायाहननंयननगत्तलमुतदाहस्याश्रयनिधकालदुरुनशामंदिकैरुतंसयडदकैरुतम

^{मिशारेगद्विभक्तकराशिनवागकेवाभगाक} ^{थवराजायकेनथवेदरायाकेनेमेवराजायकेन} ^{सजायाकेनकेमचोद्वियाकेनलावयाकन} ^{आमयकावजवयाकेनकाजिकाजुनया} ^{केनथवधिधियाकेनवेलाया} ^{मिनयाके} ^{वाकनरास्त्रजोडयाकेनथवधयाकेनथनेखजभययानाम}
 रुनीश्रुदकवक्रितायादेदकस्वयनचक्रासलीउकामहिरुयीयक्रियात्वविकारधयाचामनउयकीव
^{मिथोआदिनदयकाज्ञायाममनया} ^{राजायाममिहामयाना} ^{सामान्येकनयानाम} ^{राजायारुजुउदवृत्तयलक्षधाय} ^{राजायाअभिवेकयायनअनेकनीधल}
 कोनृयासनयरुहडासनसिंहासनतताहर्मिकर्णस्वानयर्नारुमुनयलक्षनयारुदकैरुधुवका
^{नृगादाया} ^{शैव्यवेनेथायमयानाम} ^{शैव्यरायाकयायमाजयानाम} ^{किसिसलारथवयायकथनेयेनायातमेनाधाय} ^{किसियानाम}
 हंगनधकनकालकोनिवधधिविनेषटमकुनगूयनदधीरुस्वध्वनथयादार्तसनांगंस्याधुधयौद
^{किसियानायकलायाना} ^{मनजावकिसियाना} ^{किसियानाम} ^{मनहाकिसियानाम} ^{कालवसथाकेनमदहावयानाम}
 नौदनावलाहसीदिनदानकयादियशामतंगजंगआनागधकैरुनावावधधकनीरुस्वध्वनमधयमीयू
 थनाथमुयूथयशामदाहकामदकलरुधकविधमववकधयक्रिनागर्कितामरुधसमावृद्धननिर्मदोहा

२५

२६

२७

रथिमोडलायानाम

असुतायानाम

रामियानाम

सैनारक्षायकलायानाम

मलाकिसि रथवयायकगोलमुडलायानाम

नशात्रथिन४स्यननावाला अश्वनालापु सादिन४॥ रुठायाधुयात्रः सनात्रकासु सेनिका४ सनायासमवताय से

देरुहिलालाकिसि आदिनवा थुलाचोडनायकयानाम

मुद्रयायवेलसपरयायहारयाकेनजागर्तनु योदरायादरथआदिनरक्षायकयानाम

सेनायनियानाम

६२

६१.२.

न्यासुसेनिकाधुत। वलिनायसुरुप्रध। सारुप्रासुसुरुप्रिध४ यत्रिधिरु४ यत्रिवत्र४ सनात्रकासु सेनिका४ सनाः

सेनायनियानाम

यांसमवताय सेन्यासुसेनिकाधुत। वलिनायसुरुप्रध। सारुप्रासुसुरुप्रिध४॥ यत्रिधिरु४ यत्रिवत्र४ सनानीचोदि ६०

संजयानुकेयालडयाआकारदलाकोटमचारमिलडयानाम जनिदयानामसारनधायअधिधाय

द्वाययानाम

६३

द्वाययानाम

नीयनि४। केचूकावात्रवालाफ्री यदुमधसकेचूका४ वधुनिगसात्रसनाधिकार नैत्रधणीषके॥ गीषधंयनिनमुध

कवययानाम

वसतननियानागानाविज्ञयानाम

ननूयवमादंननी। डनधुद४ केकनका उगन४ कनयाप्रिया। आसुक४ यनिमूकधु यिनधधयिनद्ववत॥ सन्नधावः

माकोलनफियाओताललाटकनोडलायानाम

मिग४सऊा दनिगायूठकेकठ४॥ पिषामूकादयावर्मा रुगांकावविकंगला॥ यदानियरुयनग यादानिकयदा

६६ पयकयानाम

यादायासमूहयानाम

राखलायवरतननयाओवोडलायानाम

जय४। यमधयदिकेधुधयादानयरुि सुरुमि४॥ गमुाकीवकांठयृक्ष यधियायूधी कासमा४। कृमरुस४स

वलाहायसवल्लयानाम

दावासमकवल्लाकाकयानाम अपसदृष्टकंधाय

धनुजोडलायानाम

युयाग विनिख४ कनयूखवत॥ अयनादयवलासो लकावधुगसायक४। धनीधनूषानूधानूषा निषयमी

अदतवलाथुरयानाम

शक्तिशस्त्रजोडयानाम

यलीजोडयानामयाहिवाय

पारभुजोडलायानाम यास्त्रधिकधाय

धनूद्व४॥ स्याकांठवांमुकांणी४॥ काकीक४॥ रुमिक४॥ याक्षीकयानध्वधिको यकि यनधुरुनिको। नेमि

खरजोडयानाम

कोलजोडयानाम

सहिजोडलायानाम

धेजापतायजोडयानाम

धवमहाययानाम

निकासिरुमि४ स्या त्सोयासिककोनिको। वमीरुलकयानि४ स्या। त्याकीवेरुयनिक४। अनूधव४ सदायधु नूव

लियासुनयानामलक्षकधाय १ लिगोलायानाम १ वलाहायमहाराजदव मेमुलि अमरकवाशाफुसमिकायानयामदव २५ धनुयानांयानाम १ वलाहायमेनेया

रुकमुधनमर्मां मोघोयानिजिनीगुण४। स्यात्यस्यालीठमालीठ मिह्यादिसुनयवकी। लश्चलर्कं वयव वना स्याः

सडयासुने॥ यषर्कं वाधविनिखा नृकिक्क गखगमयगम४। केलं वमानेववना४ ययी नायवूदया४। उज्यांखन

धनिर्किं वड लासासिनिखय४। कोकयकामधुलाय४ कनवात४ कयावना४। स४४ स्वमादिमूकोस्या नखला नत्रि व

धने॥ रुकाफीरुलं वर्म संपाकामूकिनखय४। डयधमूकनयानो स्यादीलीकनवालिका। हिठियाल४ सुगमुलो यविध

४यनिद्यान४। दया४ क० न४ धविनि४ यनधुधयनध्वध४। स्याकफीवासिययीव कुनिकावासिधनका। वायैसिः

गलीं कर्ना गवलातामनाप्रियां। याससुकून४ काधमु फिय४याल्लसकाटय४। सवोरिसान४ सवोद्य४ सर्व

सं नरु नार्थक४ लाहुरिहवा सुहतां नालीनी नारु नाविधि४। यस्म नयाहिगमन ममोतदहिषधनम्॥ यायायः

आहिनिर्यां यस्म नगमनगम४। स्यादासाव४ यस्म नर् यवकी वलितार्थकी॥ नृदिगा न्यहरीतस्य नखयानम

रिक्काम४ वनालिकावाधक नाधुकि काद्यानि कार्थका४। स्यासागवामुमधका वधि नमु गिया० का४। संधय का

मुसमया स्मग्रामादनिवर्तिन४। नधूदया४ फियां धूलि४ यां शुनो नदया न४४। वूधू काद४ समर्त्यं क र्थिं कलो

^{यथाकाया नाम} ^{धाजायनाम} ^{सलाकिसिमुन्या यदरपाव नो जय भय वा यो युरन भुमि गानु वि} ^{क्या न क या थे रुपा जे ला द क ह थार स द्वा ड व ड}
 रुदा मा कूला यमा कावे रुय नी स्या कृत ने च रु म क्रिया सा वी नार्म हाने य द्र रु मियो ति ह य य दा नू रु यूर्वे म रु य ^{यान अहं पु वि का धाय}
^{अहो युर वि का धाय} ^{अहं कार पा के न थ व आ मा स जि न ग्रा मि ध य के ध का भाल या या त} ^{जो द्या य नि स थि र्थि अहं कार या न अ ह म ह मि का धाय}
 वृ मि ह रु यूर्वे का क्रिया नू ला य नू षि का द यो मा स्या त्सा व ना न नि नू रु म मि का उ सा स्या त्य न स्य नै या रु व
^{य रा क्र म या ना म} ^{अति य रा क्र म या ना म}
 द रु का य ४४ वि ने त ३४ म रु व ल गे यो नि रु म षु र्मा वा ण कि ४ य ना क्र म ४ या ण वि क्र म हृ ति ण कि तां वी न या र्वा ३३
^{युद्ध न का व यि अ म यु र्त्त के या न म ज्ञ या न या ना या त यु द्ध म जु व या न या न यां वी र या न का य}
 य ह्या ने व रु सा वि नि वा न णा यु द्ध मा या ध ने रु न्यं य ध ने य वि दा न र्वा म ध मा रु द ने र्म र्वा म मी के सां य न यि के
^{१०४}
 नू क्रि यां म म न नी क ३४ ४ क ल रु वि ग्र ह ॥ र्म य रु न रि र्म या त क लि र्म रु ट र्म य ग ४ ४ रु र्वा म र्द स मा या त र्म

^{युद्ध या ना म ३०} ^{वा रु जु द्ध या न नि यु द्ध का य} ^{व मुरंग व ल म ले न डे हि द ड लि यि लि न नो र्वा या न त म का य}
 ग्र मा र्वा ग मा रु वा ४४ म म दा य ४ क्रि य ४ र्म य त्सा मि र्वा कि स मि य ४ ४ नि व र्दं ता दू य द्ध र्वा ग ४ मू ले न र्म र्म क ले ॥ रुः
^{ला य व या ना ना म} ^{युद्ध म कि सि म क ले ५ मु न का या त च य धाय} ^{थि थिं ५ रु मि ध नी से न ला य या त ह त का स र या ना म} ^{कि मि र्वा र गु म ल या ना म} ^{लि गो न या स र्वा या त वि का ल या य}
 ज उ र्मि रु ना द ४ स्या क वि र्मां य ट ना य टा ४ वी द ने या ध र्म ना वा वृ दि र्म क वि ग र्जि ती ॥ वि रु ना ध नू ष ४ रु ना ४ य ट
^{मं ग्रा म या धां क या ना म} ^{व लां का र या ना म} ^{क य त यु द्ध या ना म} ^{प्रा न ध र ल वं यं वो रु य नि र्म मि म मि यु यि व के नि व गु र्ज ल क वी व आ दि र्म या न या ना म} ^{मु र्छा या ना म}
 रु रु म नो म मी य म रु रु व ला त्सा वा रु ण थ मू व लि र्म रु ले ॥ नू रु नी वी व मू त्या त ड य म र्म ४ म र्म य यी मू रु रु क ष
^{म म आ दि न यु र्वा द या व नो ५ ॥ ज म य र व क न ड व वि व या} ^{व ल म द य के या त श त्रु न ष हा या ना ना म} ^{ज य या ना म} ^{श त्रु वो ला मा या या ना म}
 ले मा र्वा य व म र्द यु यी रु नी नू रु व रु द ने रु र्वा सा द ने वि रु या रु य ४ ॥ वे व रु दि ४ य ती का वा वे न नि र्वा त ने
^{वि से दान या ना म} ^५ ^{रु थाल स वि शे व रु या त म य ग ज य धाय} ^{१०५} ^{ह थार नं रु क ल या ना म}
 व र्मा य दा वा द व र्म दा व र्म दा वा वि द वा द व ४ ॥ नू रु य रु मा य रु नी व न ण र्म ग ४ य ना रु यी ४ य ना र्जि त य ना रु

सिक. ता. ८० यु. क. या. नाम

नो विषुनकृतिनाहिनोयमायुर्धनिवर्द्धं निकावर्धविष्णवर्धाय ^{११२} यनासने निरुदने निहिसनम् ॥

निर्वासेनेसंक्रयने निर्यथनमयासने ^{११३} निरुद्धं निवर्द्धं दृष्टं यनिवर्द्धने ॥ निव्यायने विष्णसने मावर्धय

११३

वियातनी ^{११४} डदासनयमथन कणनासनानिवा ^{११५} नालरुयिंरु विष्णव द्यातानीथवक्षस्रुधि। स्यात्तयताकाल ५४

सिकमिय. या. नाम ११६

धम्मो दिस्सकयलयात्यय ॥ न्नकाना ^{११७} दयामर्त्युर्मवर्धनिधनामिया ॥ यनासुयाकयेवत्तयनतयतसंस्ति

सिक. या. नाम

सिक. उ. ये. गु. मिया. या. नाम

युद्धमदोलिह्लायनयुसेजनिमोलमहु सजकेनितिनुयावेजमेजुयोन कवधाय

असान मसानया. नाम

ता ॥ मृतयमीतोपिष्ठत वितावित्याविति ॥ क्रियायां कवेक्षस्रीक्रियायूक् मयमूर्द्धकलेवत्री ^{११८} ण्णनेस्यात्यिरुवने

सिक. या. ला. या. नाम ११८ वंदिह. वं. पु. वा. या. नाम

कुनेगुहे. या. नाम

प्राण. या. नाम

प्राणधर. पु. या. नाम

कूक्षय ४ णवमक्रियायप्रलयप्रलो ^{११९} यकालास्यादधनालय ॥ यमिरुम्यासव ४ या ^{१२०} ण्णवे कीवा २ सूक्षानर्धं ॥

आयु. या. नाम

मृतमंजीविनी आदिनमिक्यात वे. द. का. के. पु. वा. या. नाम

वे. द. या. नाम

आयुकीविगकालाना ^{१२१} जीवाउजीविनोयधम ॥ क्वियवर्ज ४ ॥ ॥ डन्याडन्या ^{१२२} अया वे. द्या ^{१२३} रुमिस्यु ^{१२४} णविष्ण ४ ॥

लो. ज्ञा. आ. दि. न. जी. वी. या. नाम

लो. ज्ञा. पु. थ. ल. दि. मे. व. व. न. वे. द्या. या. म्वा. उ. पा. य. न. नि. वे. द. रु. दि. ण्ण. या.

व. न. रु.

म. या. ध. म्मो

लो. ज्ञा. या. नाम

आजीवाकिविकावाको ^{१२५} वृकिवृकनकीवन ॥ क्रियां क्वि ४ या ^{१२६} ण्णया ^{१२७} वानि ^{१२८} अ. व. नि. व. रु. म. ४ ^{१२९} स. वा. ध. वृ. कि. न. न. र्ने

उ. थ. ल. न. रु. म. ग. श. का. मे. न. द. या. व. दो. ण. अ. न. मि. व. ल. या. नाम ५६

हो. का. व. म. रु. का. व. को. न. द. म्वा. य. न. नि. या. त. म. त. ध. म. म. को. म्वा. य. न. नि. या. त. अ. म. न. ध. म.

व. न. ज. या. वे. ह. र. स. न्वा. न. त. ध. म.

द. न. ग. न. या. नाम

कविर्नृक ^{१३०} णिलीहर्त ॥ दयावितायावितया ^{१३१} यथासंख्यमनामना ^{१३२} सखा ^{१३३} नृत्तवहि ^{१३४} रुव ४ ^{१३५} स्यादृष्टं ययुर्दवने ४ ॥

सो. क. या. नाम उ. व. क. व. को. न. उ. कि. वि. का.

म. व. या. के. हो. का. न. लो. क. व. लु. या. न. चि. न. के. धा.

त. के.

उ. न. व. र्गा. ध. नि. या. नाम अ. ध. म. र्मो. अ. लि. या. नाम

उद्धा ^{१३६} नार्थययागमु कसीदवृद्धिजीविका ^{१३७} या ^{१३८} वृ ^{१३९} यार्थयवितर्क ^{१४०} निमया ^{१४१} दा ^{१४२} य ^{१४३} मित्यकी ^{१४४} ड ^{१४५} रु ^{१४६} म ^{१४७} ध ^{१४८} म ^{१४९} र ^{१५०} ण ^{१५१} दो ^{१५२} ष्या

हि. ला. व. लु. या. न. दा. य. धा. य.

याकमयेधुनकावुकसोममिडमवादेवकेआदिवा

विदंआदिनतयावभिनकाकायागुके

थ्यागुकेआदिवा

संभोजिनआदिनमदयकान

न कमदध्वतावसंस्कृती।यहीनमयसंयनीययसं स्यात्संस्कृती।स्यात्किंलंउविक्लिं संमृष्टं।अधिनं स

याकेयानाम

विदंननाकवसुयानाम

मिसनाशाकुठमजियकेयानाकाककतया

काकंसियावेल

दिवा नाययानाम

वजियाना

मा।विक्लिंमसुहंस्त्रिंशं उल्लुहाविनवासिनी।आयकंयालिनसूया लाऊं४यूरु सिवाकनी॥ययूक४यात्रियिठकाध

शियागुनेकोयानाताधाय

पोतनहुगनाठियाना

धलिवमभुदनाजानयाया

जायाना

नारुहयवमि यशा।यूयायूय४यिक्क४यात्कनेहादधिसकव४हिसाकीरुक्रमंनंशे।मादनाफीसदीदिवि४।रि ४८

कुपुगुजायानाम

विमवि

विलेजाकठथादापावयाना

जातिथानाम

उदुइवायाना

सिहादग्निकासर्वे नमा।यर्मममि यां।मासनायामनि४प्रावा मंउरुकसमरुवायवागुनूफि काष्ठा।अविलयीननला

सायाकदकावगयकाय

सासदि

ययथा

इसकायासयचूत इ

विलधलिकानधोयानाम

वसांगव्यविषगवांसर्वे।गविमामयममि यां॥तदिगुष्ककनीषाकी दूर्ध्वकीनेयय४समीययस्यमायदध्यादिद्वया

शरीरविकारजुषगुमाकवसुयानागधाय

गारुगुमपायानकरिषधाय

अमखोलवेलियाना

व२१

चेलयानाम

ध२१

नउनी१

लेगहाउडनयाकासाचेरगतहेसंगरीनधाय

इसकायासयचूत१

चोलनियाना

दधियनननी।यतमायूरुवि४सयि नवनीननवदृती।तलुहयंगवीनय आगदाहाहवचूती।दिगारुनीकाल।

धलि३ वेलव धलि३ विलव धलि३ कसथ

धमेमेलयाग वकिमथरण लययु मधितधाय

तिवकि

तिसरुवना

जुषावियानाम

कलिहुडयानयेयवधाय

नयईछायाना

य मयिक्कमयि।गनस४गकेसूदधिमथिनी यादानवक्रामुनिऊली॥मंउदधिरुवमसु ययूवाइरिनवयय४।अना

जा आदि नयायेलयानाम

नेलसेंयुथाना नायनीका

नेलसनकुथाना सनयानयाया

प्यासयानाम

यावुडकाकूगू।यसमुकवलार्थक४।सयीनि४की उल्लुयाने सवि४कीसरुसाऊनी।उदय्याउयियासाहृ तर्थाऊमि

भोजनयानाम

कपिधायलदायानाम

नयमकुगुगुगुवसुयानाम

मुहाऊनी।ऊमनेलय आहात्रा नियमान्याद ०० लयिमीरिहं तर्थाहं।हफि४रुला रुकसमकिनी॥कामेयकामेययो

थययथेयानाम

यायानाम

मामेस.चोलकेई आदिपुसुधनयानाम

यं निकामरुतययिनी।गयगयाल।गसखी गधगहीनवलवा४।गसहिवादिर्कयाद वधनेदोगवीध्वन४।

सादवलायानाम

साधामहयानाम

कृत्याग्राहयानां साधकाध्यायः

राममान् राममीरामकलं ४॥ रामधनेरामवां वरुं। मिषाभिर्न नवी नैत। गवायगणिता ४ यनाड कारुधावली रुद्रम

धुसायाना

साधामहयाना

धुसायेद

रुनसा

मासायासपुर

सावा

सावायासमहवासाधाय

मासायासमह

वे.व.

वलाकतवधिकु साधामहयाना

धुसाया

नकल्याचलं उर्वे नक थसा

मठिवालवभावरवधुसायां

धेनकंधाय

वधामहानमहाक ४ स्या दृकाकमुकनमव ४ डत्यनड कागामाक ४ सयाकागमुक ४ क ४ गककुनिर्वसक ४ स्या ४६

वामिलियतेववरुवधुसायानां भावधाय

वासायायजाय

वसा नपुमकधुसा

कुवपव सायावालाय

सायागवरा सागलनुयानामसाधाय

दम्यवसतनोसमी। आषस्य ४ र्णलगाया ४ र्ण ४ गायमिनिद्र ४ र्ण ४ धयद ४ म्मुवरु ४ सास्त्रा ४ गलकवल ४ स्या

क्रासद्यात्रवाकासा धुसाय

वदिसा

रुमंरुमीव

हलन सुयोव वरायुती नपुयाव वरायुमायान हलिकमैरिधाय

नास्तिनमुनस्यान ४ यषवाटूयगयाध्वग ४ युगदीनां उवादाना ययथासं गणाकटा ४ खनगितनगडाटा स्यद

सावाययानं उवाधामिन पाथुसा
यानां रुद्रवाटूधाय

युगकाश प्रालंगकाशशकट वरायुधुसायानाम

मनुष्यसहितद्विकुवयाववायवलावासायाना

नधववसाकिमि

रथजुरं सांहाजुरां कुवुद्रसाकासायानाम लघुधिकाय

दालिकसे त्रिको धूवदुधयध्वेनय धूनी ४ सधूर्नधना ४ डरावक धूनी लोक धूनावक धूनावका सडुसध्वनी ४

६६।४ दृक् सकल्यैरात्रकवतसा

नदादवसा

दक्षिदव

स्या ४ र्णवलीधवलादय ४ दिहायनीदिवसा ४ नेकाद्यावकहायनी। यडुनवावडुहाय ४ धवयमाविहायनी ४८

गोसायायाना मनीहीसा

वाकादवसा

धुसाननमीगयासाधंमिनी

गडुस्येसा

मनुष्यजुरेधुसायानां भावधाय

वेलमकालदलाव वाथुवसायाना

। वधार्थध्यावडुकाडु प्रवमरुधसंधिनी। आकाकावधरुधाय वरुमरुधयधामिनी। कात्यायसयायकनयस्येही

वालकं वाथुवसा प्रधेधाय

लासववसा भावमि सायाननयस्येधाय

मधिकंसा नुगवुवयकसा

वावायमाया कसा दानासायाना

वा नकथावसा नकव

३३ ज्ञायदवसावन

वालगरुहिणी। स्यादवगीडसुकना वरुसूनि ४ यकूको। यिनसूगावसूयिणी ४ धनू ४ स्यान्नवसूनिका॥ सूवनासूवसं

सा यकदवसा इडनाकासा

मनीवायकसा

इडमडसा

दायकलावुवयके प्रवसायानाम स मासमिनीधाय

दसक वरुवसा

दासा यीनाधीयीवनसुनी॥ दाधकीनादाधदया धनूध्यावधकहि नासमांसमीनासायव युतिवर्षयसूयनाड

६६ मलवाकलाता

हिगुका ६६ सायदवसा

७२

साधारण्य

साधारण्य वाच्येय वाच्येय वाच्येय
साकीन १ नवनयनियमाना

सावि यमान दाम धायगुविमोत
नहीअ

सलवि यानाम
उसी

मधनायानां
मैशरद

धमुक्रीवमीयीने समोनिवक कील को नय सिदाम सदान यधुनरु सु दामनी वे शाखर्मथर्मथान मथानामथद

मधानी विलुप्तता थापन

मथययति

थाकाआदि हेम

नमथपधरमि

उतयानाम

उतयानाम

होकर कयडतवापान म्हर कोवाय

उकाक ० नारुधु विष्कहा मथनी गगनी समोड ड क मलक मय मसा ग ८ क नरु ८ निधु ८ क नरा ८ स्य ८ र खलका

नितयकयासा

सायाम मकोले

उतयानाम

भाल पवि रुमि

दाववे ८ यादवे धने ८ नरुकाक नीसरु क ग वरु क गलका नरु ८ मडा नयान धाक्य मथवक य उका ८ ड ८ १०

उतयाम नरु ओरु क धाय उरु धायाम
पुहो ८ उरु कय

उतयाम नरु काज क धाय

गमयानाम

वनिवायानाम

नगारु वन्दे स्या दोषिको नय काक की वकी वन मुवालेया गामरा गदे रा ८ खना ८ वेद रुक ८ सार्वेवाला नेगमा वानिआ

सामान्ये वनिवा यानाम

मिवल याना मीयरुव

आकडतयाना

वनिक्वा यवाकी वास यनिक ८ कय विकय क धस ८ विकता स्यादिक यिक ८ कायक ८ कयिक ८ समो वा निअ रुव

वतजयानाम

मूलयानाम

मूलयुजियानाम

लाभ धाय लवध यानाम

हिला कर्म याना

निअ स्या नूखी वहा यवक य ८ नीवी यात्रिय धं मूल धने नरु धिक धनी यति दाने य नीवको नेमय नियमा वधायमान

मिसेन यावतु

मिसेन यावतु वलु वलु याना धायेनेका

सहर समि एत वरु वलु याना कय धा

साधन याना कलु याना केय धाय

मिआमुवतु

यनिधि न्या स ८ यनिमाने तदयनी कयय सानि न कय कय क ग यमागक विकय यनित यव यव क योद यमि यकी

अवत्यजिन याय धाया

मिये धायगुक्रिया

एकादि अष्टादश यन्यन

लयावओ लयावयायगुवतुओ य २० गुनिनिधुदक लयावसदा

वेस स्यायने सख का न ८ सखा कति ८ मिया विवध विवक य ८ सखा ८ सखा य अद ग विव विहा स्या ८ सदेक ख सदा

एक वचन मुविदयथा प्रयोगा
सावि सति निगवातलका

सखा नरु या अर्थ सवाचलिक मुविदविश
यादिशेध यादि वचन वरु वचन उरु दयथा

विशनि आदि संख्या मधे मययेरु
गुया नो मो गुमो गुनि गजियेव

दश १०

शत १००

१०००

१००००

८ सखा य सखा या ८ सखा यदि वरु वरु सखा सवान वरु ८ मिय ८ यिक ८ गत सरु म्हादि क्रमादधु गु धाक नो योत

यिमान यानाम

उमुनयनिरुध थमो नान मान धाय

वायो रगोलने आधमाध धाय

वायो रगोल १६ हिं धुथान कर्ष धाय

कर्ष ८ गुनि नयल धाय

वद्वय यथा यो मिति मानार्थक गयी माने गुलां गुलियुक्ते गुका ८ येवा यमायक ८ तधा गुका ८ कथा मी यले कष

सं या कर्मसु बर्मादिति भाय

सं पलदियानाम कुर्वितभा

१०० पुलन तुलाधा

२० गुतुलान भारवाय

१० लभारं आवितभाय

वशुष्यं॥सुवर्णं विस्फोरुमाक्ष कून्विस्फुटतल्लोडुलाप्रियां यल्लग्नं हात्र८स्यादिंति सुला८। आवितं दहा

आविन २० भारवाटभाय

कई लिख १६ यनधाय यन १६ कार्षीधा

मिजलया कार्षीधयनधाय

कई ८ आठ कथाय

कई ८ डोल

कई ३२ कालि

हाना८सू८क्षकटाहाना आवित८। कार्षीय८। कार्षीक८स्यात्कार्षीकं तामिकय८। नृप्रिया नाटकदा (धे) खानी

कई ८ भार

कई १२८ निडुवक

कई १८ दव

कई १ प्र८

आधुमाखननिधे खोलतो बागरागलनपारमानया

१०० पेवुयवोवायतपादभाय

वोनिभागयानाम

के.३.

वाहानिकं चक८। क८व८यसू८॥ स्याथा८यत्रिमासार्थका८यथक्। यादसु नीया हाग८स्या दंहाहालोडुकेटे॥ ११

धनयानाम

दधविर्लु स्वायतयं विक्कासु कृन्वने वसू। हिनध्यं दविहं अम मथने विरुवा नृप्रिया साक्षात्पशु हिनध्यं वरुमनू

सं वहेनयासाजवतयार्भगर

सं वहेवाहिकनतिनलआदिवलुयानकुप्यभाय

सं वहेनिगुरयानस्यंधाआहंतधा

मरुजटमणियाना

थाकनाकत॥ तास्यां यदचरुत्कथ्य नृप्रिया तदयमारुती। गानूत्तर्गमनकत मधमगर्हं हनिमति८। (धे) वदलंलाः

व३

यज राग धनी

मुट रत्नया

हिनकं यदनात्मथमोकि के। तास्यां यदचरुत्कथ्य नृप्रिया तदयमारुती। गानूत्तर्गमनकत मधमगर्हं हनिमति८। मूका

मिं यलया

लोहोनजायलपुत्रजनि मोटिनमहिन यानरत्नयाय

धविद्धम८यं सि यवा लं यूनयूसके। वलेमनिदया नमजातामूकादिकपित्री। सुवर्णं सुवर्णं कनकं हिनध्यं रुमहा

टकी। तयनीयं मर्कटं गंगयं रुमकवृन्। वामीकं नृकातनूर्यं मरुनरुतकां वनेमू। नूकं कारुस्वनें जामू नदमसू

सं यानाम

सं नंदयाका निपुणानशुभाक

वनेकायने

आला

विप्रयानाम

यदाप्रियां अलंकात्रा सुवर्णं य कृणी कनकमिच्छद८। दूर्वर्णं नरुतं नूर्यं स्वर्णं नृध्वतमिच्छयि। नि८। प्रिया मानकूटा

मिजले

मिजले

न्यायानाम

नमि यामथतामूकं॥ सुखं सुखं मुखं सुखं वनिष्ठादवना नि यालाहामि धमू केती कृं यिंठं कालायसायसी। नृधमसात्रा

वासनापञ्चक

पञ्चजोगलाजद्विषागलापिवावनवलं

नगत्रयाकगवलं

आमी

निका. कोवागुनिकजालिकोविनसिक४कोटिकध्र. मांसिकध्रसमंययी॥ रुतकारुतिरुर्कर्म. कनावेननिकायिसा

आवात्र धावात्रुवलं

कूमि कडवर्ह

शवाकोवहावेवधिका. रात्रवारुधुहात्रिक४विवर्ह४यामना नीच४याकगध्रयधुन४निहीनायसदाजालम४इत्त

कीमानि नीचजन

मवह वनदासयाना

कध्रननधुन४॥ रुत्यदासय. दासगायकचटका४। नियाअ किंकनयेषा. रुकिषयनिवात्रिका४। या. वाचिनयनि ॥४

याहिया मेहनवापयकुल

आलाखयाना

तात्रदि

वउत्र इकुन

सुन्दपत्रजातयत्रेविता४। मंदमु न्दयनिमृज. जालस्य४गीगकालसात्रुफ. ४। दक्षुत्रुत्रयललकटव४सूक नडक

धार वाणा

ध्र॥ वंगलसुवमानेग. दिवाकीरुिऊनेगमा४। निषादध्रयवावक. वासिवांगलयूकसा४। रुदा४किजातहावनयूलिन्दा

मामुक्रयाहद

आवा
मरुत्या

मुक्रजातय४॥ आक्षामगवधकीवा. मृगयूलवुकायिस४। कोलयक४सात्रमय४कूकूनामगदहाक४॥ धुनकारुष

रिवा

गामल नवतयात्रिवा याना अलर्कधाय
दायवावधिया

मरुत्याविवायाविश्वकूषा

माधिया

केरु

स्यावमायगु सापानेयश्रयाना
कर्कधाय

काध्वस्या. दलर्कमुसयागिन४॥ ध्याविश्वकडू मृगया. कुशल४सलमाधुनी। विद्वत्र४सूकनायाम्या. वक्त्रकूत्र४४य

ग्रहन

जवखस घात्रकूवनादक्षि निमीधाय

धुशआक्षदनेमृगयीस्या. दाखटासृगयाध्रिया। दक्षिषात्रुलवुयाग. दक्षि. (ममाकूत्रेगक४। वात्रेकागात्रिकसुनद

खंयानाम

सुयकर्क

खंयाधनकातलोप्रंयाय

सूगसूत्रमाषका४। यगिवाधियनासूदि. याटत्रमलिमूवा४। योत्रिकोसै न्यवोयव. सुयंलाधंउतइनी। वीगंसमू

याम

कयनऊनु

चलाकेनके नाविशेष
मृगयास

धियोनयाना याम

यकत्रणं. वंशनमृगयाक्षिषो। डनाथ४कूटयकुंसा. दागुनामृगवधनी। धुल्ववनाटक४मीउ. वरूध्रिषवटीगुर्ष४।

चलाजोगकेनके गुयाशआदि यानाप्रवीर्तधाय

पञ्चचलाजोगकेनके यानलातयावहुयायाना

गुणिनीलथाकायनत्र

किरिगायानामदियुयानामवओ

धुलिसनयाकायानाम

धाम्यायेनकर्मा

लेयआदि कर्मवातयुनं धाय

नरवर्थकायअलरुनयकु

विचित्री

का

धाम्या

उद्याठनेद्यदीयं सलिलादारुनेयहृषीसिवमावायदं ७४सूगानिनविर्गतव४। वाविश्रुति४मु योयुल्य यरुलयादि

मायविय

कायलनदाननेमिनजालकनामाधि
अथवा कतारुनी

अथवा पिला

नृप

कर्मणिंयवालिकायुगिकास्या दमुदकादिरि४कृता। पिठक४यठक४यण मंदूषाधविहंगिका। रात्रयक्षिसुदाल

नीरव शीमा

प्रकाम

प्रकामरुद गुनिवयाहिलकायात
अनुपदिधा

सवमीयात

महो मलावताकपातकशाधाय

३९

मि. निश्रैकावाधयादका। यादूषूयानगुम्फुसेवा नूयदीनायदायता। नदीवक्षीवत्रास्या दध्मादस्माठनीकणा॥ रंजः ॥ ७४

वाणालदीणा

मत्रषी

नाराय आयागरुमुन

कशावतलो

लुधेनेटक

या

वीपनात्रसनाका

लिकाकुर्कंशल वीषाचंशलवसकी। नौनोवीस्यादषनिका। णाधमुनिकष४कष४॥ वधुन४यययनधु विषीकागूति

लं काले भंवायानमुखाधाय

रुदि

कवी

हायानाम

कासम। ऐरुसावरुनीमूषा रुमुचर्मयसविका। लास्माठनीवधनिका कयालीकरुनीसमावृद्धादनावृद्धरुदीटक४

लं काले थाला

मियुयगुभौत

मणिशेष आदिनकाखने भमल

कोवनिमानाम

टाका। लोहोस्यायुताक

कनती

मिदचालावानेआयातआलयावाय
आतलांय

मानयाजपुनिगा

मुयेयेगुल४४ कलापाजकर्मयानशिक्षाय
आनदयकायतीमा

याषाधदात्रक४ककवाम्फु कत्रयवस्या दात्रावर्मयुरुदिका॥ धूमिस्फुल्लारुयति मागित्यंयुकलादिकैकर्मोयुति

लोहोआदिनउर्थजनकावमालिक

आनामूनिमानाम

उंयमायानाम

उंथेनकु

मानेयुतिविम्वं युतिमायुगियातनायुतिक्कया। युतिकृतित्रर्चायैस् युतिनिधियैनेभायमानेस्यात। वायलिंम४सम

नामान

४ धुगुलिथेलनयानामपथागधेधालसाधितरुनयः सुवः वरुओनुसगनयाय माननिभाकआमाप्रवउंथेनकुसोवदेवनिभमपत्त देवउंथेनकु वंर
उंथेनकु

मुख४सद४सदमेहेदका। साधवध४समानधु स्यूरुत्रयदत्ता निरुहंकाषनीकाष युतीका। णयमादय४

आयाजा

आलायाना रुवण

॥ कर्मआयुविधारुह्या रुतयारुर्मवतने। रुत्रधंरुवर्णमूर्त्ति निर्वेह४यनेरुययि॥ सुनारु लिथियाहला यनिम्

तामान्यथयानाम

नामान्यथयानाम

धंसी

थमोनेउधे

दत्रुषासुजा। गंधारुमायसुनना कादेवय४यविष्कता॥ मदिनाकषमय वा अयवदेहामुरुहृहृणांछंगयानीमद

थमोनेताजिपकावसप्रय
आदिननुलतासुनयापानअमवदशधाय

^{ज्यामका मेरु युगादुव} ^{आमि} ^{दुववेन संलिक वेन संमोल दुवल} ^{लोकावनवल} ^{सामत} ^{वेन्याकयानाम}
 मेकन ४ क मेका नमु नखिय ४ नयसनाता न सनात आमिषाणी उरुषेक न ४ वृषुषि न ४ स्यादुषिना क्रियसुन नयि
^{मेवजावनकसं} ^{नयसर्वसं} ^{अन्नयसविचारमडल} ^{भोकरकमतकमेथववाथजकदानकावमुवल}
 न ४ यनान्न ४ यनयिधुदा रुक्कायसना न ४ आयून ४ स्यादोदविका विक्रिणीयाविवेकिता डकोलासमुनि ४ कदि
^{अवयतउयामय} ^{पेताजातभवनवलयातमर्हीतीरक्षय} ^{सकयननव} ^{लोमिमात्रयानाम} ^{अतिलोभी} ^{काव} ^{याहि} ^{उमन्तीलवयसभावल}
 मुनि ४ स्यादयूनक ॥ सर्वोत्तीनमु सर्वोत्तीन रुक्की गृह्णमु गृह्ण न ४ लुवाहि लासुक सुफ सुमोला लयला लुको ड नमद ॥ ८
^{लाकवमतावेविनयमद} ^{थआदिनकावल} ^{हिनायानकामुकक्षय}
 सुनदि ४ स्यादविनी न ४ समुद्र न ४ मरुत्ती आकटकी वा ४ कामुकक मिता न ४ क ४ कामयिता रीक ४ क न ४
^{लागुववनजोडल} ^{ववनसचोडल} ^{वश्यसवल} ^{निनिदवलसुष} ^{नियजन} ^{नआमद}
 कामनारिक ४ विधेयाविनययाही ववनसुनि न ४ वष ४ यथायानिरुत विनीनयुक्ति न ४ समा ४ धृष्टधृष्टमि
^{टीठनिलजल}

^{काल} ^{सहासकन} ^{लजातिवर्ल} ^{आश्चर्यवाकरी} ^{नयशीलकानाम} ^{ग्याक}
 यागध्रुवगल ४ यनिराविता स्याददृष्ट उगालीना विलकाविमयानिना अधीनकात नमुहो रीनरीनकरीलका ४ २६
^{भिंगुईशायाकल} ^{आमसत्रयैरुव} ^{काययव जोडशील} ^{प्रकाथवलयातप्रकाथ} ^{रतयूनयव पलमुशीतल} ^{सकावयाव लजाशील} ^{नमकारयानवयक्षय}
 आर्णसुनार्णसिगत्रि गृह्याल गृहीतनी प्रकात ४ धृष्टयायक यनयाल सुयागुकोल जाणीले इयययिषू वचन
^{जायावरुव} ^{त्यायेओसे} ^{स्यादजोवे} ^{वाधययाववाड} ^{थेवाक} ^{उयाननकदिदधिशील} ^{नारुवनथन} ^{अनंकारणील} ^{जुयिदसं}
 नरिवादक। नानायाउकारिं प्र स्याददिषू मुवद न ४ ३५ यतिषू सुत्यमिता श्लोकविषू सुमैठ न ४ रुक्कहविषू
^{युयिवलरुव} ^{वरुनथन वरुपुल} ^{गारुस} ^{कययय} ^{नकववमुयातमेरुधाय} ^{समकेसव} ^{नाणालकल} ^{यकाशजुवल}
 रं विता वरुि फुवैरु नसमो निनाकविषू ४ कि प्र ४ स्या लीद सिग्गुमुमद न ४ ज्ञानाउविदवाविंद विकासीउवि
^{युगतजुवयाना} ^{रुसकासीरुव} ^{मेरुलययवयानाम} ^{सरुनय} ^{सामान्यक्राधि} ^{तमकालिशील}
 कसुन ४ विप्रतवाविह म ४ यसा नीवविमविमि। सहिषू ४ सरुन ४ क का गिति ४ कमिता कमी काधनामध

कश्चिन्नमकालिनील
अतीक्रीडि

जागरूक
जागनय

हेलआदिनद्युमलस
ममय

निवाशील
आकावददवाक

कनरुकीवव

६४कापि वं७हृत्यरुकाय न४। जागवृकाजागनिता धूर्ति न४यवलायिन४॥ स्वप्नकुषयालुनिद्रालु निद्रावगयि

लिमोक

रुनखक

कास्त्रक

दवयूजायाकल्यानदेवशुभाय

सकलदिवावाक्यात
विश्वशुभाय

ममयूजायाक

तोसमो॥ यनादुख४यनायीन४स्यादवाक्याधामख४। दवानेवनिदवशुद्र विष्वशुद्रविष्वगंवति। य४सखां

नयोवाक्याम सथ्यशुभाय

यानसवयोनियुक्त

कापुव

खेडाक

वागीश्वरीश्रवताय वचनयापति

भिरुखेडाक

वतिमधुद्रुस सतिर्यदुयस्मिनांवति। विदावदावदावका वागी॥ वाक्कनिसमो॥ वावायुकि यद्रुवागीवा ॥ ९

खेमव

अधिकंमभितुहाक महिनकेनययव

अधियवचननामहि

धियवचननामहि

वदूकध्रुवकनि। स्याऊल्यकमुवावाला वावाटावदुगर्भवाकादुमूर्खमुखनावदु मुखोष्णकु४यियवदा। ला

सामजिकरुस लावन

महितवचननामहि कवचवाक्याक

मेवयादोषमूलक

कोषयालुथेसमहि

मददयकव

रुल४स्यादसूटवाक् गम्भवादीउकद४॥ समोकवादकवत्रो स्यादसोम्यस्वनास्व४॥ नव४४दनानांदी

व्याखनस नादिलुनियामक

भिमभिमभियुक्तान

हायमसवचनमूलक

नानवायीमसवे कासनेमगाव

नोनमवाकशील

सूक्तकेवाक

यदिगी निवध

वादीनांदीक४४समो॥ उठाऊवमूकमु वंकु॥ शाशुमहिद्वित॥ नूफींशीलसुनूफीका नग्मावासादिगयुव४नि

विनीजवंधायास

गापगावगयाऊन

निनुयाकगया

धिकाएयाल

खेडाक

शयनअंतर्कोकितकल

साधनयिताया

नेऊनय रगादिनकोषायधानाम

४कासिगावक४४स्या दयधसुसुधिकृत४॥ आरुगधोरिहूग४स्या दायित४सावित४समो॥ अविद्विक्कयुनिद्विक्क

विस्मृतया

धियलिनयीऊनय

विमेगा आरुद विथयाऊरुव

खेमयया कसगानदोषविषयाना

अधियऊन वंचनसभाय

वदूकीलिनसंजगो॥ आयनआयत्याफ४स्यात् कादिणीकारुयद्रुय४॥ आदानित४दाविताशि धसुसककोसेकि

देवविद्यामनुष्यनविद्यावीलनकल

असनसनागनयऊन

अकंथाकनरुव

यसनकावस्यायऊव

विमसननदायावस्यायऊवयातक

दूखनयाक पायभा

वाद्यसनालोपनकोदो विरुतयाकलोसमो॥ विद्याविषययावध्या मसल्यामसलनय४॥ निबिदान४कृष्ककमोव

वयन

दूखनकावाऊरुव

कृष्णराव विधिलानकेयोवल

कासमकाऊरुव

दूऊन

यलधिक४४समो॥ दावेकदसूवाहागी निवृगसुनृ४४०४। कर्क४य४सूवक४४स्या लिधुनादू४ऊन४खल४॥

दोषविचारमयोमेत्याकल

दोषविचारमयोमेत्याकल

कोषयालुनाकल

सर्जन विष्णो कर्तृ यथ वृत्तं दिक्षालं यथ लं मरुत् ॥ तवानु वियु लं यीन यी वी उ सु ल यी व न । सा का ल्य दू स का ४
 सूक्ष्मं शुद्धं दयै कृते न ना कि यां मा या पुटी यै सि ल व लं क क धा व ४ । न स ल्या लि ष म ल्या य ४ क धी य र र ख यि य र न
 य व र य आ स म द यै व द लं व दू । य न रं य न र यि षे सि न र य ध र वि वा य न ४ न ता या स य मां य न स र खा न ता दि ८१
 का तू ग ध नी यै उ ग ध यै स र खा न ग धि त म थ स म स र्वे । वि ष म (ध रं दू स र्म स म स नि खि ल नि नि ४ । ध रं ॥ स म स
 स क लं य र्म स र्वं उ स्या द न न क । य नै नि नै न रं स न्द य ल व वि व लं न ॥ स मी य नि क टा स न स नि क र स जी न व न

सदृश स्यात्सर्वविध समयोदसवधवत् ॥ डयकं भक्तिका स र्म स म नू या कि ना व यै । स र्म स क र व य व र्म न म य दान न
 मि ख यि ॥ न दि ष म नि क त र्म स्या दू रं वि य क र्क । द वी य ध द वि ष च स दू न दी र्म मा य र्म । व उ लं नि स लं व र्म व धू न
 गू न ना न र्म । उ च यं धू न ता द यं कृ ता र्म र्म थ वा म ना न्द्री च न व र्म दू स ४ स र्म व वा (व र्म न ना न र्म । नू लालं वृ षि
 न कि ष मूर्मि म र्म वि र्म न र्म । नू वि ष कं ढि लं रु र्म व र्मि र्म व क मि ख यि । स र्म व र्मि क र्म य गु र्म । अ र्म व य गु र्म क लो ४
 न्म व न मु क्त्वा नि ख ४ स दान न स दान ना ४ स र्म ४ कि न ग न ४ स या नै क नू य न या उ य ४ । का ल या यी स कू ट र्म ४ स

^{विनापरवत आदिनें लक्ष्मि} ^{सामेस आदिनें जगम धाय} ^{वहवराणास} ^{वलनशील} ^{वैवल}
 तनाऊं गमत ४। वनिष्कू र्गमवने प्रसमिं गंवरावनी॥ वलकैने म्यकमी वलैला लैवलावली। तनलीवयलैवेवयाः
^{धकस अधिक} ^{हडंगमं धानयानास} ^{धते कथोर}
 विहवयमिपुव। मृतिविक ४ समधिका दृढसंधिमुसंरुत ४॥ कखट कथिने कुरी क (अ) रे निहू रे दृढ। ऊन ० मूहि मः
^{बौद्धयानास} ^{रुओमउं मृति जुवना कार लया वस्तु यान पुण्ण धाय पुण्ण न धाय} ^{न क वे व व लु यानास}
 मूर्ख प्रवृद्धे आरुमधित ॥ यनाधेयत नयल यनाग न विवरु ना ४। यल (ग) हि नवानथा नवीनानुत नानव ४। नू ८२
^{कोमल यानास} ^{लिलि वाड} ^{धमवलाया} ^{धमवलाया}
 नधुसूकमावे ४। कामले मृदुले मृदु॥ मृगगन्धकमनू (ग) नूयदे की वमयय। यल दै सादे दि यक मयल दमती दि
^{वनाम जुगग युयाना} ^{आदियानास}
 यी। लकताना नन्यवृहि नकाये कायना वयि॥ मृयाक सन लकाया थकाय नगतायि नायै सादि ४ यूवै यो न स्या यु

^{आदि} ^{लिथे लिथर} ^{वर्थयानास} ^{यक्त यानास} ^{सापानयाना}
 धमाया मृथा म्रिया। मृका ऊयनी वनम मन्त्र याष्टा ययि मी॥ भाघीनि नथक स्य स्र मूठे ययक मूलनी साधाननी
^{यकात यानास} ^{ईतर यानास} ^{जनेक वं धयानास} ^{मथानयानास}
 दुसामान्य मेका की ल्य क एक क ४। हि नार्थका मृन्यतन एक ल्हा न्यत नावयि। डवावने ने करुद मूर्ध्वगम विलमिती॥ मृ
^{मर्मसं यथायानास} ^{मेव नग स्र म डे यानास} ^{थव विपरीत जुयया} ^{खेवया खे शरि र यान मय धाय} ^{जवया खे शरि र यान अय मय धाय}
 मृदुदमु मर्मस्य गवाधु निवगली। यमर्थयति कुले सा दय सद्य मय दूव॥ वामे न नीन सयै सा दय सयै दु किनी॥ मृ
^{ह आदि भविष्यत दयया} ^{ह हा वने मजिवया} ^{लाय आदि न यान्नु व यानास} ^{मोवा ल यानास} ^{हाड यानास} ^{खे ड यानास}
 कट नाशु सै वाय ४ क ४ लिले गह ने समा सी की र्छ सै कला की र्छ मृष्टि नै यनि वायिनी। प्रथि नै ययि नै दृष्ट विष्ट नै विष्ट नै ग
^{नोल मुजगुर अर्थ यानास} ^{कंज यानास} ^{येयः} ^{यल स्या यानास}
 नै। मृक गने विष्ट नै सा त्याक यति हित समा वसि नय खिता धूत वलि ता के पिता धूत॥ नरु ननासु निषता विद्रु किफ

^{यत्स्वोरभादिन मोयान वनका नाम} ^{खया अर्थ} ^{प्रसारित} ^{मिसेन यावत्} ^{गुणयथायथा} ^{उपयुक्तयानाम} ^{मोपलया}
 त्रिगा ४ समा ४ यत्रिद्विर्कं शुनिवृत्तं मूषिर्गमूषिणार्थकं। यवृद्ध यवृत्तं न्यस्र निमृद्ध युनिताहृतं। निदिग्धाययितं गुरु सु
^{धनं भुवि कन्याया} ^{न्याया वा इवत्} ^{सत्त्वभादिन सत्त्व हा कल} ^{मि के स यो द वत्} ^{स्वान आदिनं ना नु ज वत्} ^{विने आदिन ले य लया} ^{गुणि आदिन लय आदि था का या} ^{यज वत्} ^{हिलग}
 फं गुं ठित मूषिर्ग। द्रुता वदीर्घं ड हूँ अत का चित्त निमित्तं॥ द्या द द्या न दिग्बलिक समुदका दृत्तं सम। वक्षि तं स्याद
^{नो क ह व या} ^{जय का लु पि आदि} ^{विनाश जु सु नो या} ^{ल जी वा व या}
 लयिर्ग सवीर्ग नृद्ध मा वृत्तं॥ नूनं सु ग्रंथ निमित्तं दूत क्षा तानि न किं॥ स्यादिना (क्ष) मूर्ख यर्क जीव की तो शुल किं ८३
^{या इ व ले या} ^{वत्तु न वत्तु यो ज र या या} ^{ला य जो न ग्य न ल व या ना म} ^{हा मे व व या} ^{ला व न के इ कि द र या ना म} ^{उत्ति कि नि द या}
 । वृत्तं वृद्ध वा वृत्तं स्यात्किं न ड या हि त ४। या यं ग म्यं समा सा यं स्या न्नीर्धं मूर्गं मूर्गं॥ स एत ४ स्यात्सकलितो वगी न
^{न र ता य ह र या} ^{धि कार या इ य र व आदि या} ^{ला व स सं द्या ल नं} ^{ला व स सं द्या ल नं}
 ४ स्यात्त ग र्द ४। विविध ४ स्याद दू वि (क्ष) नाना नूय ४ यथ विध ४। मूर्व नी (क्ष) विदू न ४ स्या द व क्षा व वृत्ति न ४॥ न ना या
^{क मा य व लु पा नि न द य का वा म र}

^{स र ज व या द व} ^{विय या ना म} ^{वि क न आ दि न पा क या ज रा न क थि तं क्ष य} ^{वि र जा व चे न व या क म श्र म धा}
 सकृत्तेरुटं स्वनिर्गं धनिर्गं समा वद्ध स दानिर्गं मूर्क मूर्द्धिर्गं सदिर्गं समं। निषार्कं कथिर्गं या क की या म र्द विष्ठां ४ तो नि
^{म ता या ने ज मि या ने ज अ धि या ने ज व ज या ने ज थ लि} ^{य स म र्द व या न नि र्वा न धा य} ^{य क्क धा य ५ पा के जु व} ^{म ल न्या ग या य या न ग ने धा य} ^{वो फा य या ना म मि ध धा य} ^{या ल ल या या ना म} ^{म ह य या ज ना म} ^{धा हा वा द या}
 चो (क्ष) मूर्निव द्वा दो निर्वान मु गत निल॥ यर्क यत्रि न ग नूनं रु न मी टं शु मूषिर्ग। यर्क शु नूषिर्गं साट दान मूर्द्वान म्
^{लो य श ह या क या} ^{रो ग स कि ता या इ व सा न्नु व या} ^{मि या या ना म} ^{नो क प या या} ^{अ धि न धा य पु जा या ना म} ^{पु र्ण या ना म} ^{उ यान कृ ष्ण थ}
 नूनं। दान मु द मि न क्षा न ४। मि यार्थि न दि त ४। म्फ मु र्द्वि न न्धु दि न यूर्कि न वि न ४। यूर्क मु यूर्नि न कि ४।
^{अ व सा न या न क्षि न धा} ^{मि न न व या} ^{कु कु धा न का या} ^{प्रा ल वा द या} ^{वि ना र या ना} ^{ने ज म ड या}
 नि न ४ व सि न सि न ४। यूर्क यूर्क्षा पि ता द (क्ष) त वृत्तं न नूक न। व वि त द्वि दि तो वि द्द वि न वि लो वि वा नि न। नि ४ य र्द वि
^{चे ल आ दि न ना व या} ^{मि द्र जु व या} ^{फा या गु या ना म} ^{मु ज या या ना म}
 गता या को विली न वि दू ग दू तो। सि द्ध नि वृत्त नि य नो दा मि न हि न रु दि तो। ड र्गं यूर्ग मूर्गं थ ति पि न यं ग नु स न ता॥ स्या द

अथर्ववेदयासमूहयात आथर्वणं धाय
 सकृपागधिसमूह केवचयासमूह, अथर्वेयसमूहया अथर्वेयं धियावाने
 नानार्थवर्गशुलिनामननाना नामउवकानावानात आथर्विसमूह नमूहव बोडगुवर्गसकलेथ नहायाययिसमूहायाकानधारमाअणलंयुयोगमइगोमुकाएगोअर्वस

नीम वाममथनदिकी ॥ सीकी वग्न ॥ ॥ नानार्थ ॥ कपिकानादि वर्णधवागकी किता ॥ हविययागमययषू
 आकासयातत्वर्गयात ना के धाय ॥ १४ येगुसमुवनयात मनुष्यजनेयात ॥ शोकयात जशयात शोक धाय ॥ दलायात रवयात सायक धाय ॥ बोलयात वरणायात जंमुक धाय

ययार्थययितयत ॥ आकारगपिदिवनाका लोकमु उवनऊनाययययसिखधमक ॥ ४१ नखधयसायक ॥ ऊवकोधूव
 वजियात बालकयात शृथुक धाय ॥ अययात निभालयात आलोक धाय ॥ भेरीयात धाकयात आनक धाय ॥ मडेयात दिनयात अंक धाय ॥ ल्यावयात मयुयात वनदियायात कलंक धाय

नूल्मयुथकोविपिठारुको ॥ आलाकोदहनायागो रुनीयठरुमानको ॥ डहंगविद्रयात क ॥ कलकोकायवादया ॥ ८८
 नागयात सिकर्मियात नशक धाय ॥ फटिकयात सूर्ययात अर्क धाय ॥ फसवलासूर्ययात पुंसिक धाय ॥ शिरयात लमुपात कंधा ॥ कगलिभानिखोवाकोयजायात गुलाक धाय

४१ तदकोनागवदध्या नर्क ॥ ४२ टिकसूर्यया ॥ ४३ मानूतवधसिखधयैसिक ॥ ४४ निवावना ॥ ४५ लायुलाकमुकवाचसी
 आतियात भक्तीयात सिक धाय ॥ उडलिजांगकिसिहियोत आदिकलायात येवक धाय ॥ कमंडलयात करक धाय ॥ उडयात विनायक धाय ॥ कुडियात कोलाहियात किमुधाय

कांका ३

विनसेव शूककीठववृद्धिकषयनिकूलयनीकमि शकद ॥ ४६ गुयसूर्य ॥ ४७ तिर्कठरुनिव कह ॥ ४८ सुधायिय
 १ श्राठलुवुयात सुशिक धाय ॥ विखयात खवयात यतीक धाय ॥ खाडयात आमकयूरसंगंध ॥ ४९ लायात भूमिक धाय

॥ अलिकायावथाभव काष्मनअधकहूलासितवखदि नसाम वल ॥ ४९ दधसिद्रक ॥ ५० तिलककवपिष्मका
 यंडोरयात गोवारविशेषयात कोधानकी धाय ॥ करवसियात तोयिवखयेलात सोमकल धाय ॥ सिहामयात हामरकीयात पिन्याक धाय

वाङ्गीकी नाम ॥ ५१ यामरुद्धउनुलूलूक ॥ ५२ आलप्रहियूकोसिक ॥ ५३ नूकायर्गकाखानेक ॥ ५४ खल्यपिद्रलकमिष
 हीरयात वाहीक धाय ॥ इडवसभेदगुगुलूलूमासूर्यहवाविश्वामित्रअधितयेयात कौशिक धाय ॥ लोयेसं नायभययात आतंक धाय ॥ नाचकनिरदरिदलोयात शुभक धाय

ऊवा ॥ ५५ क ॥ ५६ कपि ॥ ५७ खूनयध्वस्यवरुंक ॥ ५८ आधुपियू ॥ ५९ नीकाना ॥ ६० यवान्यामपिदीयक ॥ ६१ लावृका ॥ ६२ कपिका
 नाम्नाकसचंडयात जैवाक धाय ॥ मलाकोलयात येरसतजामलयात वर्जक धाय ॥ धूं तोयुवपन तोयुवकुल वामलमदिगअधियात युएरीक धाय ॥ मुनयात दीपक धाय ॥ ऊंडारमाकल कोलधिनायात शालाहक धाय

सू ॥ ६३ न ॥ ६४ ख ॥ ६५ पिगेविकी ॥ ६६ यीग ॥ ६७ यिचलीक ॥ ६८ दलीक ॥ ६९ यिथन ॥ ७० नीलाखयवलूक ॥ ७१ धर्क ॥ ७२ कलवलकले
 लंयात गैरिक धाय ॥ पिडसखलीक धाय ॥ अथियसफसरांसअलीक धाय ॥ कुमलशीलमअलक धाय ॥ खण्डखण्डसमितिलासशक धाय

दिनयात लिङ्ग यात लिङ्ग धाये । मुख्ययात यर्वन बो यात ७२ सं धाये । वसा योल यात मुख्य यात वरांग धाये । मंय निई का मरि मा वीर्य यत्र मर्य कीर्त्ति ध्वने यात गग धाये । या नो २
 विक्र (धरु सा ४॥) गंगं या धन्य सा नो ध्व वनांगं मूर्द्ध युक्त था ४॥ रुगं धी का म मा ल स्य वीर्य यत्तार्क कीर्त्तय ॥ ॥ ग न का ॥
 स्या ये यात अत्र यात मरि धाये । समुह यात लीव यात ओ च धाये । मुल यात पूजा विधि यात अर्थ धाये । माय दूत वामन यात अर्थ धाये । ईश्वर विषय यात लो यात लघु धाये ।
 यविद्य ४ यविद्या न मु आश्रवृन्द म सां यय । मूल्य यूजा विधा वर्थो लाद ४ ख य स न य य म ॥ विविध ल ल द ४ का वा ४ नि
 शिक धातु विकार मिवा लो ये यात वा वा धाये । विषय सी विहा यात प्र य धाये । अग्नि आषाढ मन्त्री अरु वि अरु तो यि व ध्वने यात अर्थ धाये । कश्चि ने ला ग ल य ईश्वर कि र पा यात ।
 क मृ रु द द मृ रु ४ वि य यो म वि रु न व य य य ४ या व क षु वि ४ ॥ मा स्य मा ल या य य धे यै सि म धे सि त वि षा अरि व ॥ १०
 र वि धाये । सत्ता ग र ड अरि भू ज धाये । वा यात वृत्त न यात दि ज धाये । विष्णु यात महा र ड या यो ल यात छा ग धाये । ग्राह यात ला हा त म मू ह यात वृ ज धाये ।
 ल यां व ग ल सो व न वि ४ मि यां क कि ता अ व रि रु ओ द न वि यां ग का दि का ४ ॥ अ रु वि षु रु न क म ॥ ११ ॥ अ नि व रु व
 उ र यात ज म यात धर्म र जा धाये । किमि वा यात सा माने वा यात कुं ज धाये । शत्र यात न ग र धा का यात व ल ज धाये । मु न्द्र द र न यात व ल ज धाये । स म भू नि भा ग यात ह ग ल यात अ नि धाये । सं न नि या त ज न या त यु ज धाये ।
 जा ४ धर्म ना ऊ कि न य मो के जा द न पि न मि यां । न व र क य यू के व व र का व नु द र्श ना ॥ स म श्रं ण व धे या कि ४ य र सा
 वा नो २
 को १

स न तो रु ना अ रु र्ण र व ण ण को व स्व क नि ल्य नि र्क वि ष ॥ ॥ ग न का ॥ ॥ यै स्या त्म नि य वी ल य क गु ण वा अ लि ग क ४ स र सा
 म न ला ल न आ दि न अ र्थ स र ना पु यो ज न मि के यात स र धाये । कोष यात किमि वा यात क र धाये । किमि वा यात लाल यात किमि वा यात क र धाये । रोग न यात लज्ज यात रु ग ले यात महा दे व यात शि वि ष धा ।
 व न ना ना म रू सा यै धा य मू व ना ॥ ॥ ग न का ॥ ॥ का क र्ण ग ठी क व ठी ग रु गं रु क ठी क ठी नि वि वि ष मृ ख ल वी द ध म धि
 वि श्व क र्मा यात ल व धाये । दे व यात दी र धाये । र म यात पा ल यात मे व या अ क र्म सा य म उ या न ती व यात क र धाये । क र्म यात या न अ क र्म यात या न ना श यात र धाये ।
 म रू ष्व न ॥ द व नि लि न्य यि ल क दि र्द दे व यि न द था ४ ॥ व स क दू ४ क दू का र्य वि ष म स व ती कृ या ४ नि र्द क मा षु
 शुभ यात अंशु यात अरि धाये । निश्चर विकार म ड आ काश आ दि यात कूट य त्र यात क य ट यात मि थ्या यात डा वि यात मी य र्क श ल वि शेष यात य र्व न यात ह र यात अं ग यात क र धाये ।
 ल ला व स वि ष उ षु हौ रो रु मा या नि ष्ट ल य य ष के न वा नृ न ना वि षा अ या द न लो ल र्ण ग सी नां वा कू ट म मि यां म
 म क न्या ल यात काल यात लो वे ला यात स दे ह यात वृ षि धाये । व ज यि यात आ अ य यात को र्ति शं या यात धाये । सि मा हा यात खा ट मे ला ग ल य म यात ज र्क फ ल सा ध न ये यात मं य ति यात अ र्धि क
 क ला या गू टि लो ४ मृ स्या क्ता ल ल्य स र्ग य पि वा ॥ अ ल्य क षा ध य ४ का धी मूल ल ग न क व रु डा ॥ य षि ४ रु ल स मृ को व द षि

ज्ञानयानमिच्छायात सोये यात दक्षिणे यजया तईच्छायात ईक्षि कये निश्चययान अधिकयान लक्ष्मणे ५३ त्वयात भयंकर यात अन्नयात कलयात कलधये
 मन्त्रेन्द्रिदक्षिणां रूक्षियां गच्छया ४८४ निश्चितवदूलविष्वा कश्च उक्कयहन दक्षामेयागदय्छा यदूको वाय
 लिं गेयटाका नीलकं ०८ निवयिवा यमिका शानक ०८ नी कूशूलानक गृहे तथा निष्ठा निष्ठा किना क्षा ना ४ का क्षा त्वा
 र्वाक्षि नोदि निविष्वा अक्षानि क्षा फि कनिष्ठा नित्युवा ल्यया ४॥ ०८ ॥ ॥ दशमी लघु यिष्वा शुभा गाल द्रया
 कथा ४॥ सूर्यमांसा लघु यादो रूक्षवा यक्षि ग रूक्ष ४॥ शुभा वैषा क्षा ला कायि नाणी काले पिदू वे द्वा ॥ कां अमी
 दधुवा क्षा च वग्ने वसन वा निष्वा रूक्ष ४॥ मय मूल वनिष्वा ना ॥ ४॥ ॥ ॥ रुक्ष यनिष्वा चोद यग्ने

अति यात इत्येवात प्रगांधं धये समर्थे यात होर यात दृढ धये सैन्ये बो ज्ञा यात वत या यात मिलय यात वचो र यात सुठ धये बालक यात याथ स द व भिता यात धू धये वलिरा या काय वाना स यात वला यात काया धये

टल क क कु या ४ ग क सु लो वि म द टो बु टो वि न्य स र नो ॥ रा का ४ ॥ ॥ रु द्वा ॥ सु द ग र्क वा धा व लि सू त न न ।

फलि न वि कु धा र व लु या त बो कि आ दि या त क र धा मु ल बो र या त म हा र ड या ग ल या त ग ल धये जु ल आ दि स या या व लु या त ज्वा ला या त भि य व लु या त म ल या त ध न या त य ण धये जि गो न स र स र्श ग र्ध आ दि न आ अ य या त ना व स न ग गार जो ग म न मे ग ल

क धा नि सू क्क धा धा स र्धान य थ म ग ण ४ य धा अ न्ना दि सू ल द्ध रु तो मू ल्य ध न पि व मो र्धा द्र या धि न स ल्हा धे र्ध स

थ र्क रु ल न आ अ य या त न व स वि ग र्ध नि धा या र न बो र या त वे ला को ल वि शे ष या त धा ण धये वा ल ग आ दि न ये ता व र्गो यो त तो यि द्र ये ता र्ध न या त ज स या त य ण या त द या या त वि व या त आ व ल या त

आ दि क र्ग ४ ॥ नि र्वा या न रु नि गो का ल वि षा धा स व या ४ द्ध ४ ॥ व ध्म दि जा दो षु क्रा दो मु नो व र्क उ वा द न न । अ न्वा

स र्ग शार वि या त व र्गो या भे ड या त अ र ल धये उ न या त अ र या त न क र ण या त ग्रा म ली धये

रा क्क न सू न व र्क रु द पि स क्रि य ॥ सु दू ४ ण वी क्क वा द्रा ण ४ का र्क य्वा जो न व न ण ४ ग्राम वी न्ना यि न य्मि ष ४ य मा धि

फ स या त र्ध त या सा या त व ला या त र्ध धा य भि स नि गु ल या द लु स य ले नु का र्थे सु का र्थे नि कि से व रु द या व मा न ला या त ल न ज्वा ल म र्धि या त वा डु या त ह रि णी धये

य पि षा ड ध्म म धा दि ला नि ४ स्या दा व र्क वा न ना क वी ॥ रु वि णी स्या न्म नी रु म य नि मा रु त्रि ना व या ॥ पि ष यां ठी

जो र मा या त उ र्ग

या णु र्ध न ज ला या त ह रि णी धये

देवयानं शुभकर्मयानं शुभकर्मयानं कर्तव्ये

वातयितुं श्रेष्ठयानं युगलितं मयानं हि ला नदिसेल द्यौः वीर्यं गुलुयानं एषी आयतेन वायुआकाश मय शटरम स्यादग्नौ च ईद्वि ययानं गेह मनसि रहिं गति हती रलुं वहेति जल जत
काकायानं लोभो नो आदि गुता धान यान भूमि या धानुयान यद कोनि का कारण या धानुयान धने यान धानु पाय ॥

मसि द्वाक देवाकुशलकर्मसु ॥ शुभादि न सत्रकादि महाहता निगदु ॥ १॥ द्वि या व्यधम विहृति ॥ १॥ अथ यानि ॥

दिश्या वीक या अत्र मेव नु क या त ग जा या अत्र सु या सु क न धाये धाये

स्वाययानं शत्रुविशेषयानं सामर्थ्ययानं शक्ति धाये । कठिन क या त शीर यान मृत्ति धाये

विस्तारयानं गुप्ति यान उत नि धाये

धनव ॥ कश्च न नयिषु दाना नृयस्या सर्वग यन ॥ कासु सामर्थ्या ॥ १॥ मूर्ति ॥ १॥ का ॥ १॥ न्य का यथा ॥ १॥ विस्तार न व

मरु स या त के यान वस नि धाये

मोक्ष यान युजा यान अय विनि धाये

दानयान अय सान यान मति धाये

इत्ययानं लीया या चो यान अंति धाये

मोत्रयान जन्म यान

लो बुत नि वस नी या वि व धना ॥ क या र्ज या न य वि ति ॥ १॥ सा ति द्वा ना व सान या ॥ १॥ अरु ॥ १॥ यी ग ध नू ॥ १॥ का धा ॥ १॥ अति ॥ १॥ २३

जिल यान यान हि को चान यान छ द यान जनि धाये

यवहा यान हाव यान रिति धाये

उन्मात यान इर्भि क्षयान या देश यान ईमी धाये

खटयान लाघयान धाति धाये

मोगल अग्नि यान त्रे ना युग यान त्रे ना धाये

नाद या वीणा या भेट यान सामा

सामा म्भु र्ज नो ॥ य वा न र्म द या नी ति नी ति र्ति व य वा स या ॥ १॥ ड द य धि ग म या फि ॥ १॥ फु ना ल मि गु थ य ॥ १॥ वी ना रु द धि

ने बीणा भेट यान मरु विहृति यान सम्य नि यान भूति धाये

भुवन यान छ द विशेष या नृ एषी यान नृ ग ती धाय

हिमाल आद सु द या व मोरु छ द यान पक्ति धाय

नेम यान इ ना हाव यान धा भाव यान आय नि धाय

मरु ती रु ति र्म सानि र्म य दि ग दी न ग ति रु धा वि र्ग ध पि कि ता व धि यी कि धू न्धा पि द धा मे स्या त्य ता व धि वा य नि ॥ १॥ यरु

नाग यान नदि यान नार यान भोग यान धाये

॥ हथार यो न न या ला क यान स भा यान स मि ति धा ययु व यान वा स यान ग म न यान क्षि ति धाय

नदी न ग र्थो न्ना ग ना भोग व न्ध थ स रु रे ॥ स रु स भा यां स मि ति ॥ क्ष य वा सा व पि क्षि ति ॥ वे र्ति श्र शस्त्र वरि ज्वा ला च हे त यः ॥

स र्थ यो ते ज दान शस्त्र यान अग्नि या व ज्वा ला यान हे नि धाये

वंपायक या त ग म न या

मिमा आदि या हा यात पयुट यान ग भ द या न या क्ष नि धाये

ई न्य नि या का रा या न यान नि रु या न

भार ती सर ख ती के शि की अने ये ना म्हा य यान

नै धि व सा ख या त फि यान मि क ना धाये

वेद यान मेने यान अग्नि धाये

गती व मूल उ य क ति ॥ य क र द या ॥ १॥ य क ति यो नि ति ग व को नि का आ धु व रु य ॥ १॥ सिक गा ॥ १॥ स्यू वी लु का पि व द ध व

यदि न लेह जा प र प यान कु सि मा या व नि म धाये

एषी या न्ना ल यान नाम या द्वा या त गु धि धाये

का रा यान पै र्क यान भू ति धाये

कंठ गि री यान छ द या

सि व ध र्मि ॥ व नि ना र्ज नि ना ल्प थ नू ना ग यां व या मि ति गु फि ॥ १॥ कि ति क रु स पि ध ति द्वा व धा वे र्थ या ॥ १॥ व रु नी क द

भेट या त त रु द यान ह नी धाये

पि सा यान मा कि सि या न वा सि त धाये

जीव की यान कु वा कु ट यान वार्त्ता धाये

श्रमार् यान नि रोग यान वार्त्ता धाये

यो यान अमृ यान अय धाये

वा रु की र्क दारु द म रु ल्प यि वा सि ना म्मी क रि ष्म ध वा रु व रु ने र्क ध नी वा रु रु नु न्ना ना ग पि पि ष म्भु व धु ना

या ही या त सुं या त क ल्प यो त धाये

का रा यान वि रु या त वि मि त्र धाये

सा ख यान जि न डे न्ना थ की यान अने धाये

युग यान वार्त्ता धु यान रु त धाये

नव धा र्म यान जी व स अये का म रु

मृ ग ॥ क ल ष्म न न्ना र्म ना नि मि र्क रु गु ल रु ष्म ध र्म न्ना म्भु व धु न या यु ग या यो फ या ॥ १॥ कृ ती ॥ १॥ अरु षा दि नी म रु

कर्म यान अ न्या रि न्ने धाये

योग यान न्या यान र्च न यान म र्थ यान प्रा ण रु द यान स म यान अ न धाये

ये य द श्लो क या त आ वा या त रु द यान का रु यान रु त धाये

ली ति ॥ क र्म जी वा न य दि वा यू क र्वा दा व रु रु नी या ध र्म नी न स म पि षा व रु रु य ध र्म पि षि ष नी न रु रु नि रु ला म रु

^{मनुवाङ्मयेयानमेहनये} ^{लोकयात्रयवादयाननिश्चयानुदृष्टयान} ^{वहोयाननोपिवयानश्चनये} ^{हारयात्रोहायानहियानन्यिवयानरजनेये} ^{संसारयात्रगमनयानजगतये} ^{हाकुवलुकिदायानरजनेये}
 दास्यस्ववावगीतं ऊनस्याहृदिनविषा॥ ध्वनं नूययिचरुनीं हाननूययिचरुनीं विषुनाऊगदिगयिचरुनीं ल्याः
^{नोपिवयाननिश्चययाननिश्चययानश्चनये} ^{विययानअनुनिमायानतित} ^{यागयात्रभिनकासंकारयात्रयाननमयानअभिनीतये} ^{ज्यादायानतिपुंरक्षणमंयुक्तयानअदिनयानसंस्कृतीये}
 दिवागिवा॥ म्रवदान४सिनयीनं शुद्धवदार्हनीसिनो॥ यूकमिसंस्कृतमर्थि व्यसिनीतांथसंस्कृतं॥ कृषिमलक॥
^{भागायानअवधीमदुमदुयानअननये} ^{वचवययजुयानलेवायानप्रतिन} ^{मुजातयानयाहीनयानअभिजातया} ^{अवित्रयानलकात्रयानकिविक्तये} ^{मृषयानअनुयानमृष्टिनये}
 यनं याननानवक्षवयि॥ खानद्वयगीताहं जानमुकूलऊवध॥ विविकीयूनविकुनी मूक्तिगीमूठभाकृथा४दो २४
^{पाहुयाननिलुयानशुक्लये} ^{नोपिवयानहाकुयाननिश्चयये} ^{मनेययानमाधुयानविद्यमानयानममन} ^{भीयानपुजायानयाननसतये} ^{पुजायानशुनतेलेयानद्वनेनययानयुक्तये}
 वास्ययनूषोष्टुकीं क्षितीधवलमवकी॥ सत्यसाक्षविद्यमानं यक्षसुखरुनवसन्॥ यनस्कृत४यूजिनवाखरियकृप
^{आश्रययानप्रसमययानशस्त्रअस्त्रनभेदरपेमजीवयानकवनयाननिवानये} ^{जायसुययाननयखासन्नकोटयानवाधरपावतयानउदितये} ^{वाधरपुवयदाउदयनिजुवयानउदितये}
 न४कृतनिवातावाधयावातो॥ क्षमरुयववमयन्॥ जानानद्वयवृद्धा४स्यनूक्तिगाडकिगाह्वमी॥ वृद्धिमत्यायनात्य

^{आदरयानपुजायानआहंनये} ^{वाचसायवलयानधनयानप्रयोजनयानचितपावयानअर्थये} ^{कारणायानआगमयानअधिनसेवरयायाननयालावयानगुरु} ^{यानअवनारयानपावयान}
 नान्नादतोसादवाञ्चिनी॥ ॥ नाना४॥ ॥ नू॥ धि॥ धेयनवसु यथाऊननिवृत्तिषु॥ निदानागमयाफीथ सुयिकृषऊल
^{मंश्रीयानतीर्थये} ^{शक्तिनंसंयुक्तअर्थयानहितयानमर्थये} ^{क्षिणजुयाननोदलेहयानवाधरयानमियगुअवका} ^{सायानवीनये} ^{मभायानयनयानआस्थाये}
 पुनी॥ समर्थमिषुषाकिष् सवद्धाथेहितयिच॥ दक्षमीस्ते कीलनागवृद्धोवीथीयदवायि॥ आसूनीयनयावाकृयसू
^{पर्यनयावोयानपरिमायानमुश्चये} ^{अभिषययानअधीनयानउदये} ^{अधयानदंयानसुचये}
 क्षीसानमानया४॥ क्षमद्विषयार्थनू४संस्कृतानरुनोमृतो॥ ॥ नाना४॥ ॥ नू॥ रियायवलोक्तुदावन्कीजीमूवेने
^{निदायानआजायानश्चवदये} ^{यनयाननसुरमोहितयानदये} ^{किणयानपाजियानयेमक्षिणीयानपादये} ^{अनुमायानअभियोजनमर्थयाननमेनुदये} ^{लोकयात्रययादयानत्रिादये}
 सनो॥ नूववादीपुनिदार्हदायादीसूतवांधवा॥ यादानम्यंयिदुर्यो॥ क्षमद्वान्नाकृसमानुद४॥ निदादीऊनवादयिग
^{यंदयानकजावशासयानआदये} ^{नवसारवायेयानलखलपुगानअनुदनेवोवयानअयदयानअनुदयानसावये} ^{विरोधयानआसादये} ^{मुक्तायानदंयानसुचये}
 दार्कवातलक्षया४॥ नूवावनूदिनयान योकीदादानू॥ क्षमद्वान्नाकृसमानुद४॥ निदादीऊनवादयिग

^{मार्गानां यथाकथं गच्छन्ति यानि विदुः पानाः । इदं भाग्यं न यात नासाकयात यानुपानयात । मुख्ययात एजायावि नरुनवागयात तु सायाचीन यात ककुदवाये}
अक्रयिणविद्याः कथं यासादवमदः ॥ यासायनाजलिं गववृषाणककदाः ॥ म्रियामाः श्रीसंविज्ञानसेराषा
^{धर्मयात एकां यानुपानयात । अनुयात दंयात यात भावे । उद्यमयात एजायाय यात यययात निनयात नुतिपाति यात वलुयात पदभावे । शेवलयात मान}
क्रियाकात्रानामसाधमा नरुस्ययनिषत् स्यादगोवस्मवधानत् । यदेववसितिवाव सुकल आंघ्रिवमुवापका
^{यानुपानयात गोपदभावे । यतिवयात नाननयाज्यायात आस्यदं । मनसते यागलिवलुयात कलिबलु । मलोकयात कोमयात मृदुभावे । मुख्ययात विभाययात वन । अनुयात अगीयात मद्रभावे । नकवलेपात}
देसवितेमाना यथाकथमास्यदं । विविधमधुनोस्वादु मृगवागी कृकामलो ॥ मृगल्यायदु निहोया मन्काः स्यूज्जु दे
^{अतोमर्थकतसाद । धाय । यति न यात अतिपाति यात विशादभावे । रफागोरहि यात उर सिमायानयोधभावे । शरियात बोजाय यात उत्सेधभावे}
भानदोयस्यप्रयतिरोविद्वत् स्यगलोविभनदो ॥ दाका ॥ आमावठश्चन्यप्राध वसधकायडनतिः ॥
^{धामअदिनलुनं कायाहयायात सायात निययात वीदधभावे । तहामिति आदिनयनयायसियात सिखाडनयायात सभापणलयात परिधिभावे । ववकत यात विविधियात नुगण्डवयात बोलायात यात अधिभावे}
ययोहनधुमानेधु विवक्षेवीवक्षेवतो । यत्रिविधम्रियनवाः ॥ १ ॥ खायासूयसूर्यक ॥ वधनेयसनेयतायीण

^{मिजिवगुयासयात वचनमहुयात दुहुयवायादियात नेमयात अमिपेयात तमाधिधाय । मदले दोषदधकेयात प्रकृतिवत्यय आगमआदेशं जालोयय अनआदिन याकलायाविचार सविचारयुक्ता}
विद्वानमानवैयः ॥ १ ॥ समर्थननीवाक नियमाधुसमाधयः ॥ दायात्यादरवधः ॥ २ ॥ यकृत्वादियूनधुन । म्रुया
^{नआदिशगोलावारक अजावतुयावचनसवोनायकृतिशविपरीतमयाकयात अरु । वधोये । विदुयात ननुमायात विधुकाय । पुडयात चालयात अवधिभावे । विदालवात युक्ते जम्मेयात शुभकर्म यात विधिभावे}
नूयायिनिनिहो यकृतस्यानवरुना विधुविष्मवन्दमसि यनिक्कदविलः वविषा विविविधनदवपियुधि
^{पोनेयात विज्ञानायात युधिभावे । पालि यात वुद्धयात उद्धभावे । समुहयात क्लृधभावे । दधभेदयात नदिविशेषयात समुद्रयात मापानेनदीयात सिधुभावे}
विः ॥ यार्थनयन । वधवृद्धोयधुनोपि स्कुधः ॥ समुदयपिवादरघनदविः ॥ १ ॥ सिधुनोसवितिम्रियां ॥ वि
^{विधानयात नलेताप्रकारयात विधिभावे । सुद्रयात अलापुभावे । स्त्रीयात भलीयायात वधुकाय । लेयनयात अमृतयात संस्कारयात मिनस्कारयात सुभावे । यतितायाययात धिनि यात मन्त्रभावे}
अविधेयकानय साधनम्यपि यपिषा वधूजायासूयाकी वसुधलयाः ॥ २ ॥ मन्त्रयनिहामयादध
^{कोयात स्तान भूति यात कश्चि यात लेखयात इह यात वसु मनुयात वधुकाय । धर्मेति कान्त वर्मयर्थ के पाणु नलि केतुये}
द्धासंयल्यः ॥ १ ॥ मधमयययनस कोदयधनमस्यपि मृगमि वसमनदो यधुनोमन्यगविनो । वध
^{विदुयात कोजायात भिदो नमवाडयात अधभावे । धममननभायायात अंकारयात समुनभावे}

^{मर्यादायात आजायात उल्लासनातिवि} वचनधिकय निद्वे ^{शेषयात मयनिक पातत्रहं को} ^{मकलमेनं सिद्धो यात कायापावनयायात उल्लासनातिवि} ^{सूर्ययात अग्नियात विवभात वाय} ^{किरणयात सूर्ययात}
^{भानु वाये} ^{वृक्षायात शरीर यात भूता आवाये} ^{सूर्ययात नीचजात यात पृथग्जन वाये} ^{यर्जनयात लोह यात गावा वाये} ^{बलायात जोगल यात मनीषा वाये} ^{विमार्जन पर्व वत}
^{यात शिथिल वाये} ^{अग्नियात सुखा यात शिविन वाये} ^{वांछायात संग्रह यात प्रतियन वाये} ^{साधियात महाजन यात सादि वाये} ^{मार्शियात महाजन यात सादि वाये} ^{सलायात बला यात}
^{जोगल यात वाजि वाये} ^{भिडकुल यात जमभूमि यात अभिजन वाये} ^{समस्त सरयात किरण यात वृक्ष वाये} ^{वृद्धमाभगि सूर्य प्रह्लाद धने यात विरोधन वाये}
^{संजात यात यात वृजिन वाये} ^{विश्वकर्मा यात सूर्य यात विश्वकर्मा वाये} ^{यन यात वैश्वकर्मा यात परमात्मा शरीर धने यात आत्मा वाये} ^{इन्द्रयात व्याययत मत्त किमि यात आकाश यात सल्लाधन वाये}
^{मर्यादायात आजायात उल्लासनातिवि} ^{शेषयात मयनिक पातत्रहं को} ^{मकलमेनं सिद्धो यात कायापावनयायात उल्लासनातिवि} ^{सूर्ययात अग्नियात विवभात वाय} ^{किरणयात सूर्ययात}
^{भानु वाये} ^{वृक्षायात शरीर यात भूता आवाये} ^{सूर्ययात नीचजात यात पृथग्जन वाये} ^{यर्जनयात लोह यात गावा वाये} ^{बलायात जोगल यात मनीषा वाये} ^{विमार्जन पर्व वत}
^{यात शिथिल वाये} ^{अग्नियात सुखा यात शिविन वाये} ^{वांछायात संग्रह यात प्रतियन वाये} ^{साधियात महाजन यात सादि वाये} ^{मार्शियात महाजन यात सादि वाये} ^{सलायात बला यात}
^{जोगल यात वाजि वाये} ^{भिडकुल यात जमभूमि यात अभिजन वाये} ^{समस्त सरयात किरण यात वृक्ष वाये} ^{वृद्धमाभगि सूर्य प्रह्लाद धने यात विरोधन वाये}
^{संजात यात यात वृजिन वाये} ^{विश्वकर्मा यात सूर्य यात विश्वकर्मा वाये} ^{यन यात वैश्वकर्मा यात परमात्मा शरीर धने यात आत्मा वाये} ^{इन्द्रयात व्याययत मत्त किमि यात आकाश यात सल्लाधन वाये}

^{धन आदि नश्वरं कार यात ज्ञान यात विनय यात} ^{विनय यात अभिमान वाये} ^{मेघ शरीर गुण कठिन निरुत्तर धने यात धन वाये} ^{सूर्य यात पुनः यात देव वाये}
^{वृद्धमायात अविद्यात नृपति यात धने यात राजा वाये} ^{वाचन भक्ति सा यात अहं को भिमा} ^{नदी यात सैन्य यात सुवर्नी वाये} ^{वज्र यात यन्त्र सा यात हादिनी वाये} ^{वंशाह यात भितावाजे दयात कीर्तिनी वाये} ^{शेगुल यात}
^{देह यात नरु वाये} ^{स्वायत्तास यात उमे यात सजा वाये} ^{यज्ञ यात ईश्वर यात विनाय यात श्रेय यात भुवः यात विनायान वाये} ^{कार्य यात पुत्राय यात सपीयस निमन्त्रणा यात देव न वाये}
^{वेद यात नव यात नय यात उल्लास वाये} ^{वृक्षा यात पुत्रा यति यात वृक्षा वाये} ^{इन्द्रा यात स्वाय यात भिवाभाव आदि यात गुरु न वाये} ^{विपत्ति यात को यात पुत्रादि न जात नृथ यात आतं न वाये}
^{कलंक यात गान यात के यात शरीर यात ज्ञान यात वजन वाये} ^{लोक यात अपवाद यात यशुन यशुलोक जोगल नं जोगल वाक यात कोशिन वाये} ^{धन आदि न पिहा वृथ यात वन भेद उं जोगल}

[illegible]

॥ नेममो दो वल यामा नील धातू सिता पिषाण चादियू धी वृद्ध पि. ग्राम ४ काको व विक्रम ४। गुत्ता नू कूर्त व स नाधु ३।
 मि ४ खर कल मि. या ४॥ कि ति ४ द्वा न्धा ४ दमायू क. दू मं से क हित पिषा. पिषा मी रु नित्क. ध्या मा म्या क्क विवा ९८
 निष्ठा। लता मी यू क्क यं प्राध. रुषा या धा न्य क पिषा. ॥ सु क म ध्या त्म म या अ. य धा न यथ म मि. या वा मी व न्नु य ती यो
 दा. व ध मो न्यून क सि तो। जी ध व य त्रि रु क्क व. या त या म मि द्द यी ॥ ॥ या ना ४॥ ॥ सु र्ग म ग नू ती ता को नील या

[illegible]

श्रीभाषयातद्विषयायातनिभासदुपानकाधाय ३३ ॥ ३४ ॥ वक्रादिननुकयातकुडचिह्नायातदधुयातकिंसिचिययातवक्राधाय ३४ ॥ क्रियायातअपवादिशेषदेवयातधनमिमानभुंमिनमेवयातममोवपुत्रभेदयेयात ३५ ॥
प्रियाकानि४यनिर्विवमनातय४॥कक्रयका४रुम्याद४काअमिधरुवधन॥कृत्यक्रियादवतया॥प्रिपूरु ३५ ॥

लोकयवादायातमासदुपानकाधाय ३६ ॥ निमोरायानमयातजयधाय ३६ ॥ निदानयातअधीनयातकयाधाय ३७ ॥ मनकयातत्रिणयातकयाधाय ३८ ॥ सामान्यदामईयातअधेनो ३९ ॥
यधनादिहि४ऊनीस्याऊनवादयिऊयथाऊधनयिव॥मअधीनोववकथो॥कृत्योसऊनियामयो॥आत्मवानन ३९ ॥

मनवेयातअधीन ४० ॥ मुद्रयातधर्मयातपुण्यधाय ४० ॥ लुप्तयातभिरुपयातरुपधाय ४१ ॥ निवचनयातनालायातननुदानधाय ४२ ॥ योग्यवतुयातप्रधाय ४३ ॥ मुद्रयातवतुमादेवयातयतिनयातवंशयातसो४५ ॥
यताथदध्यायचंडुयार्धपिंडुययिषसूययिषदद्यावनुवागयि॥आययिमधंसीसीउ॥सूचनसामदेवतं १०० ४५ ॥

समुद्रयातप्रसादयातवाधाय ४६ ॥ ठेययातहंसामानेआसनयातसत्ताधाय ४६ ॥ गुरुयातहस्यनियानपित ४७ ॥ भिलोमहादियातमरुधाय ४८ ॥ तृणसययातहापधाय ४९ ॥ जेददयानतुल्ययातप्रकारधाय ५० ॥
॥नामा४॥ ॥निवहावसुवोवावो॥प्रसुवोयसुवाधवो॥उभूगीयनियिगयो॥दायवोयूगसंनयो॥यकावोरुद ५० ॥

वेष्टासीसेयानराएयाआकारयातआकारधाय ५१ ॥ काविमिरसायातकिमाउधाय ५२ ॥ देशविशेषयातपर्यंतयातपर ५३ ॥ मिमायातपर्यंतयातअडिधाय ५४ ॥ मिमायातइडयातवर्षयातमेघयातमयोधाय ५५ ॥
सुद॥६॥हाकावाविगिताकृती॥किंशयूधयूधकष॥मयूधवधवाधवो॥अदयादुमणेलाक४मीरुनाकोयया ५५ ॥

विदुयातशत्रुयातदानवयातहनुधाय ५६ ॥ काकोययातलाहायातकागायाततकाधाय ५७ ॥ तरुयातलीलायातवलायातप्रदयधाय ५८ ॥ भेदियातमायातअधाय ५९ ॥ वेलममवुदमायातमर ६० ॥
धवो॥आनाविदानवावृणा॥वलिहसुंहाव४कवा४यदरुं॥गनागीन॥आधम॥आ४कवा॥अयि॥अऊग४ ६० ॥

यानतुवाधाय ६१ ॥ लंघातइययातबाधाय ६२ ॥ याकियातयोजिनयातयाकरधाय ६३ ॥ मरुसामंकायातनल ६४ ॥ रथयातवहोयात ६५ ॥
॥म॥६॥काले॥अधम॥नावशुववो॥खरु॥यिना४यनिकत्रययं॥कयत्रिवात्रया४॥मका॥हुद्रावता४॥आ४कवा ६५ ॥

वायुयातनानाउनयातकाधाय ६६ ॥ अतिनामानउडयातलगायातवित्यतिनयातसंगाधाय ६७ ॥ वेदयाभेदयातगुन्नवांहाययातमधधाय ६८ ॥ विदयातसययातमिधधाय ६९ ॥ यत्नयातवलायातयतिनयातवृधाय ७० ॥
वायोसुडुयिषा॥कव्वेयथयतिमकि॥संविदायसुसंग४वदरुदगुफिवाद॥संयामिवात्रवावयि॥मखषयूयख ७० ॥

गुहायातगुजयातअधकारधाय ७१ ॥ सुदसदममायातअदिनातगुजगजयातशत्रुयातआदधाय ७२ ॥ शत्रुनृमेहयातअधयातसजयातअभिलाधाय ७३ ॥
७॥यिख॥गु॥अ॥व॥सु॥न४॥आ४॥म॥व॥रु॥य॥न॥व॥ग॥रु॥आ४॥ग॥ग॥जि॥न॥॥अ॥रु॥ह॥ना॥रि॥या॥ग॥व॥यो॥र्य॥स॥न॥रु॥न॥यि॥व ७३ ॥

ग्राणियातवक्रयादयातसाभागीयातयिवाधाय ७४ ॥ मिमायातकुशयातनयातकयतिआदिनयातविहधाय ७५ ॥ लुखायातकटवायातप्रतीहारधायपुनिहारधाय ७६ ॥
॥आ४॥ग॥म॥य॥वी॥वा॥व४॥ख॥न॥का॥षा॥य॥नि॥वृ॥द॥॥वि॥रु॥ना॥वि॥ट॥यी॥द॥रु॥॥म॥खि॥४॥यी॥अ॥य॥मा॥स॥न॥॥दा॥नि॥दा॥४॥रु॥य॥नी॥रु॥न ७६ ॥

^{नवधाः याननवरयानविष्णुयानमिधिरुं नयानवक्रधये} ^{वायानसेलयानयोग्ययानश्रेययानसाधये}
 ४ युति हार्ययाननका। मियलनकलविष्णु वगु४ स्यालिंगलविष्णु॥ साभावलक्षिनी। णव न्या अक्षीववत्रविष्णु
^{उवाहयानइसेदरधये} ^{उरययानउरयानइसेदरधये} ^{नवधाः गुयानकठिलायानकाकाधये} ^{मेवयानभिंलोकयानकृपयानयानमसरधये}
 । द्वादनायूतकात्र य। णयूतद्वानदने महानधदुर्गय। धकाकारनयूतयूतकी॥ मसुनानयधुरुदय तदकुयधया
^{देवकेकोनेयानजिलाजनयानश्रेययाननयसकयानसामानेप्रिययानवधये} ^{यटवलिवातमिमायाभेदयानधानायायानकरीधये} ^{सेनायानलिखोडभाययानलेआदिइत्यायानअंलेका}
 विष्णुयवादनवत्राधय विष्णुकीवमनाक्षि। य। वं धकनकनीनाक्षी तनूरुदयटयना। नावमूकयनरुस सुयय १०१
^{यमकसईउनमासूर्यविष्णुसिंहकिरणसंसाभटविमोकेलकाइसिधिरुवर्तधनेयानहरीधये} ^{यविनायानसाधयान}
 मिसनाक्षियां॥ यमानिलयवेदाक विष्णुसिंहं धुवाक्षि। धुकाहिकयिरुकष रुनिर्नाकयिलविष्णु मधक नाक
^{मिधानमर्कधये} ^{सपनयानगमनयानदेवयानावायानयानावा} ^{उमियातववनयानमाधयानलायानइतधये} ^{हेलपानश्रहंरतयानतडीधये} ^{इडमामयानपुथियातआंचलयानधात्रीधये}
 योना। णयि यागस्याद्यायनगतो। र्नाहवाकसुनायूसा रुद्रानिद्रायमीलया॥ क्षपीस्यादयमानादि किमियया

^{शंगरीनयाननदश्रीनीयानवेष्टायानकमिहायानककुमिराशयानकुडधये} ^{कुरयानअधमयानविभाययानकुडधये} ^{सामाग्रीयानलोयानपरिमानयानमात्राधये}
 मलकपि। कृदायंगनटीवध्या सनद्याकटकाविका॥ विष्णुकूनधमल्यवि द्दमाणायविद्वद। नृक्षययानिमा। णसा। मार्ग
^{संयुतायाननिश्चययानमात्रधये} ^{नोययानश्रीशर्थयानवित्रधये} ^{धनयायेयानकलातयानकलत्रधये} ^{योम्ययानठलेयानदधुडियानराजायानमत्रीधये} ^{धनवीय} ^{मलेआदिवाहनयानयायानयत्रधये} ^{आजायान}
 कार्त्तवधन। णालखाधिययाधय कलवै। धागिरार्यया॥ याग्यराऊनया॥ याग्य यगैवरुनयकया॥ निद
^{याकरणाआदिगुश्रयानशास्त्रधये} ^{खड्गआदियाननयानशस्त्रधये} ^{मिमायानजटयानवस्त्रयाभेदयाननत्र} ^{कलातययशीरयानमिदधामयानधौत्रधये} ^{यायार्थनायानहलयानजोशानयानधये} ^{यवूनयान}
 धार्पयया॥ धामर्क धामुमायधलोहया॥ स्याऊटां धुकयाननर्क दगैयनीधनीनया॥ मुखालयकलहलया॥ याग्य
^{कुलयाननामयानगोत्रधये} ^{नोकयुययानयूतयाननिचयानमातवनयानसत्रधये} ^{त्वानचितमिमाआदिनरुययानअजिरधये} ^{आकासयानवेसतयानअमरधये} ^{राजेयानसेनयानवक्रयानवक्रेवायानवक्रधये}
 पुनामिधिसमयमाकृदनयक सदादानधनयिवा। नृजिनविषयकाय यीवनेधामिवाससि। यकैवाकृयाकने
^{मोक्षयानवृत्तनेजयानमकुटिया} ^{कुक्षरध} ^{इडयानलेखयानशीधये} ^{कुंयानभरिधयानवडधये} ^{होमात्रयानपूरधये} ^{गुहायानकयटयानगदरधये} ^{एकानयाननिकटयानईयहधये}
 पुमाक्षयिनीनमयूवा। स्वयंयिरुमिवेदाको दावमाययि। गयने। पुहादलो गकनेद नरुनिकममयकन॥ य

^{१. रज्जन यात धै आदि ज्ञान विद्या न काल धाय} या मयि वाता सरु विष ॥ रु यति ग ४८ ॥ १० या ल ४ य सि धाय द मर्य था ४ म ला फी या य वि दू कि द ४ म फी धू ले नू ग य र्थ
^{विधान यात हि मा स धि या ला य सो ये सं कू या न की ल धा} ॥ १ ॥ को वा पि द या ४ की ल ४ या लि न थं क ये कि म ॥ क ला नि ल्य का ल रु द या ली स ख्या व ली नू पि ॥ नू मी व क वि क र्ण
^{मन्त्र जो या न मं दे या न यं कि या न पा ल धाय} व का ल म र्ज द या न यि ॥ व दू ला ४ क रि का म वा व दू ला नि ४ धि नो पि म ॥ क ला नि ल्य का ल रु द ॥ ली ला विला १०३
^{ज्या य नि य या त व नु मा या न जि म दू सो स धि वो कू ला या न क} स क्रि य या नू य ला ४ क ना यि वा ॥ १ ॥ नि ग म सि की ले लो मू ल मा य नि रु द्वा ४ ॥ जाले स मू रू न ना था ग वा दू रू
^{व र पु या न अ व स या न मि मा न या न म र्था द या न वे ला धाय} न का व यि ॥ १ ॥ ली ले ख रा व म दू रू स म्प द ड क न रु ले ॥ क दि ने य नू ४ ४ वी र्व स म्प द य ट ले न ना नू व ४ ख नू य ॥
^{व दू ला मा या न कू ति का न ध र या न ग व धाय}

^{ला या न या दि या न प लं धाय} या न मी ग ले स्था दा मि भ य ले ॥ य या फि रू म य धा व कू ली पि मू वि कि त ॥ ३ ॥ न ल यि या न ले व ले व मू व म नि म
^{३५ या न म दू ल या न उ म्म या न नि यु न या न कू श ल धाय} ॥ कू ली ४ कू रि ४ की ल ४ ध्व न ना उ व ड य धा नि धी न क व ल मि ति गि लि गं व क कू ल या ४ ॥ य वा ल मे क न य ॥
^{सं ड रा त्र न ल या ग ल या न म या पि या न उ कू ल धाय} मी पि मू कू ले ४ ४ यि व ॥ क ना ला द ड नू ड म वा यो द क व य ल ४ ॥ मू ख रू क यि वा ल ४ ॥ ली ल धू ल स रू क या
^{ज ड या न कू ल धाय} ॥ १ ॥ वा का ४ ॥ ॥ द वो दा वो व ना न ध व क्री क म रु नो रु वो ॥ म की स रू य ४ स वि वो य नि धा खि न ना श व वा ४ ॥ नू व
^{कु क या न जो ना य या न क र ल धाय} य ४ ले ल म म कू नू ला वा ना ध ना रु वा ४ ॥ रु व ४ स व ख रा वा हि या य व द्वा ल क म म ॥ स्या द द्वा द रु ल य थ य र
^{उ न या अ नि या न म हा व द या न अ नि या न द व धा य द व धा य}

के यान प्रसव काय ^{विश्वामह यान प्रयातः ५ नित यान निरु व काय} वागहमावन। न विष्णुस्य यद्रवयि निरुतावयि निरुव॥ ३८॥ ^{अधिक यान नम यान ईहा विष्णु यान आनन्द यान ईश्वर काय} उक्तमप्यथानि कृ यस्वमह उक्तव॥ अनुरा ^{प्रनाय यान मज}
 व॥ यरुवव सुतां वमति निश्चय। ^{जन्म या कारण यान आदिया नाण का मान यान प्रभव काय} स्यात्तुमह उ॥ यरुव॥ ^{नक्षत्र यान भेद यान निश्चय यान अनिनाश यान ईश्वर काय} कर्तव्य आयत्तव्य॥ ^{मोक्षी यान आत्मा यान काय} कृत्वा रुह दक्षी वनु निश्चि न ^{आत्मा संवर्धित यान काय ध्वं धन यान यदा सिगुजि यान शृणा यान नीवी काय}
 ॥ १०४ ॥ ^{वाल्मीक यान श्री नी योके जाय एष यान शम्भु यान या शिव का मोक्षी यान धान यान शिव काय} विद्युत नय ॥ ^{कल ह यान नेत्र यान दं व काय} ददं कल ह यमया ॥ ^{दृष्टी आदि नक्षत्र वलु यान प्राणा यान अरुणा यान सन्ध काय} दृष्ट्या सुववसायि सुख फी ३ ^{नयं सकल यान जो जा यान पतक मम ह यान श्री व काय}
 ऊनुष॥ ^{वैश्य जाति यान मनुष्य जाति यान विद्यु काय} श्री व नयं सकल यान ^{विद्या यान युद्ध यान सूर काय} वा अतिंगम विक्रमं ^{श्री यान मेव वृष रशि} दो विष्णो वैष्णव मनुजी ^{वाता} दो वराहि म नो ग्यो दो यजी योज

यान रशि काय ^{कुल याट यन यान वंश काय} ममाथो ^{एकान यान प्रकाश यान रं काय} दो वैष्णो कल मस्त्रो ^{ज्याला यान पोस न यान मर्का यान भोग काय} नरु॥ ^{जन्म यान कृपन यान किमानी यान पशुका यान की नारा काय} युका ^{जान यान निमित्त यान विरु यान उपदेश काय} नो वी का ^{लभ कुशल म व दुका काय} नो ^{वाल्मीक आदि नाना वंश वलु यान दशा काय} निर्वो ^{विष्णु नृणा यान आमा काय} नो ^{माकिमि यान पिना यान वशा काय} नो ^{साहस पाक यान निरु यान विक्रम लाक यान तर्क काय} नो ^{कहि न पक्षि जव यान निभाल यान प्रकाश काय} नो ^{वाल्मीक यान} नो ^{आत्मा यान मनुष्य यान प्रय काय} नो ^{कोरव यान जाय वो हो यान आंश काय} नो ^{घास यान याक यान} नो ^{मुखि यान कुक्षु काय} नो ^{विद्युत यान किगा यान अभिषं काय} नो ^{भेति यान कौन यान अर्द्ध काय} नो ^{महाय यान वालि यान पा यान यक्ष काय} नो ^{वेनाली यान मुकुट यान ईश्वरी काय} नो ^{वीर्य वधन यान कु यान} नो

^{ओ ह यात कर्म यात दोहो ल यात वष धाय} ^{मृत्तु यात खलु डल यात अर्थ सम ह यात पाये यात को व धाय} ^{जुल यात यल यात जल यात आकर्म धाय}
 कल्यण सुक न वृष रु वृष ४ का लो मी क दल खे म पि धन नै य टि वा या ४॥ यू न के सा नि रु ल क या क र्थ ४॥
^{मिवा आदि न दे डी य यात या रा यात क र्थ हि यात व क यात वे ल यात थि हा उ यात अ ध धाय} ^{जि व का यात सक या मि यात नि रु धां ल व गाल यात क र्थ धाय} ^{उर व या भा व यात}
 कमि चि या ॥ ना यू गा ल क र्थ व क य व ल य क लि ड म । क मू र्वा क क नी षा मि ४ क र्थ ४ क ल्या रि यि नी । यै रा व न
^{उर व या क र्थ या य त यो र व धाय} ^{ल व यात वि ध धाय} ^{को ये यात गो ये र न यात आ मि ध धाय} ^{अ य र व यात कि लि ध धाय} ^{या गा क यात न सु डी य या अ न भा ता दि व र्थ यात व र्थ धाय}
 नू कि या यां य यो र्थ वि ष म यू वा ठ या दान या मि र्थ ष्या द य ना ध पि कि लि र्थ । स्या दृ षो ला क म र्थ ४ व स १०७
^{व्या र व न यात को य यात उ डि यात यो ध धाय} ^{ते वा यात को ने यात पो स ल ये यात मि र्थ धाय} ^{लो भा यात न नि र धाय} ^{सुं ठ यात सुं प्पा यात अ ध म यात न य र्थ धाय}
 न व र्थ म मि यां ॥ य दान र्थ रु धं य द्वा रि का स वा र्थ ना रु मि ४ लि ड ॥ म र्थ पि पि ष या क य न न र्थ का ल्या नि क
^{उर व यात दान क न क य यात अ र्थ ध धाय} ^{मि ने ह म ड यात वि क न म ला क यात न र्थ धाय} ^{सु र्य यात र ज हं श यात पा ना मा या न यो र्थ धाय} ^{सु र्य यात अ ति यात वि भा व र्थ धाय}
 रु था ४ य र्थ क वि क न म र्थ ४ नू रु ल य म वि क ॥ ॥ सा ना ४ ॥ न वि ष व न रु दो रु सो सु य व र्थ वि रा व स

^{सा ना यात दं यात उ न आ दि यात द स धा} ^{सा रं ग गं ग ल यात दि हो क म धाय} ^{शु क्र र आ दि न या र व न या गु ना ल यात वि ष यात ने ज यात पा डु क न र्थ यात ले ह यात दि वा र्थ धाय} ^{क ए ल आ दि आ दि यात नं स धाय अ व र्थ म धाय}
 व लो न रु क व र्थो सो सा रं ग धु दि वो क म ४ ४ म रा दो वि र्थ वी र्थो गु ल या र ग द व न स ४ ॥ यै र्थ नै सा व र्थ सो क क
^{दे व या भे द यात मि यात कि रा यात व र्थ धाय} ^{र जे यात व न यात व र्थ धाय} ^{वि ष यात वि ध धाय} ^{शु भं वा ला यात वि या ठ क स यो या र्थ यात आ र्थ धाय} ^{को ने यात ई षा यात}
 र्थ यू र्थ पि ष म रा द व रु द न ल व षो व स न ल ध न व स ॥ वि षो उ व र्थ ४ मी र्थ ४ ना र्थ सा रि द रु था ४ ला ल सः
^{उ क ल यात ला ल स धाय} ^{उ या क र्म यात या य यात हिं सा धाय} ^{मा स ल यात मि यात कि रा यात व र्थ धाय} ^{म मि यात आ का स यात ते द सी धाय} ^{अ पि र्थी यात कि रा यात अ र्थ धाय} ^{या गो ठि यात}
 या र्थ नो मू र्थ हिं सा यो र्थ दि क र्म य ॥ य स न धा पि रु था वो ना द स्यो ना द सी व न । का ला रा सा नै र्थ र्थ अ ति
^{य का रा यात इ डि यात यो मि धाय} ^{या य यात अ य र व यात आ ग धाय} ^{जो ग ल यात वा ल क यो व न रु द वा व र्थ यात व र्थ धाय} ^{ने ज यात म ल यात व र्थ धाय} ^{आ न नू यात ने ज यात म र्थ धाय} ^{र जो ण यात}
 र्थ यात रु डि षा या या य रा ध या ना ग ४ र व ग वा ल्या दि ना र्थ य ४ न रु ४ यू नी य या र्थ र्थ म र्थ रु स व न रु सा ४ ॥ य
^{थि ये म ने व मि ता या हि यात म्वा न ध र यात र जे धा} ^{शो क यात वे द यात आ व ल या रु द यात रु द धाय} ^{न य र्थ यात वा ड यात आ दि प्रा य श्चि य र्थ धाय} ^{व र यात म र्ग र्थी र्थ यात स र्थ धाय}
 ओ गु ल व र्थी य र्थ ना र्थो धा न गु ल न म ४ रु द ४ य र्थ रि ला र्थ व त य ४ क रु दि क र्म य । स रु व ल स रु सा र्थ

१. इंडिया प्रांत नदियाँ

आतयावधि यान

कल्याणवर्धन

उपनयातानेविषयानयातडोहलआदिनत्रियेष्विषयोत

धिंमि सा यात येन यात आरोहणाय

हन्ना

अर्थसकुशलययागजु

डेनेयान

यश्चिमुद्यात अ नद्यातयश्चान वारा

इष्टव दया संतोषविस्मय संशोधननमलनेश्वनेयातवमंधाय

दूताश्चार्थविकल्पायाः ४५५॥ न० ४५५॥ सहाय्यार्थाः ४५६॥ साहाय्यार्थाः ४५७॥ स्वदा नृक्यासकाः ४५८॥ विस्मयार्थः ४५९॥

[illegible]

गार्थसाविनिना^१ यथसंवाधनाथका^२ ४स्य^३ ४या^४ दृष्ट्या^५ ठंगरु^६ रु^७ हा^८ ४समयानिक^९ षादि^{१०} नूका^{११} नूतर्कि^{१२} नउ^{१३} स^{१४} रु^{१५}
^{हुनेनाम} ^{होमयावाक्यानामसंवाधिनवाक्यानाम} ^{त्याहाओवरओवरवपद्वधा} ^{सोयानाम} ^{जनांनयानपेनययअननक्षय}
 सा^{१६} स्यात्यन^{१७} ४यून^{१८} नायन^{१९} ४। स्वारु^{२०} दव^{२१} रु^{२२} वि^{२३} क^{२४} न^{२५} । अ^{२६} ष^{२७} दू^{२८} वी^{२९} ष^{३०} दू^{३१} व^{३२} ष^{३३} दू^{३४} स^{३५} वा^{३६} ॥ किं^{३७} वि^{३८} दी^{३९} ष^{४०} न^{४१} ना^{४२} ग^{४३} ल्य^{४४} थ^{४५} स्या^{४६} मू^{४७} रु^{४८} वा^{४९} न^{५०}
^{समयानाम} ^{अहोवायहीवायअननयानाम} ^{नननवाक्यानाम} ^{दुष्टिकोवाय} ^{तन्कार्यातसपदिक्षयसंवाधय} ^{आनदयानदिष्ट्यासंउयओषवाय}
 ना^{५१} व^{५२} द्वा^{५३} य^{५४} थ^{५५} न^{५६} । थ^{५७} वे^{५८} र्व^{५९} । सा^{६०} म्य^{६१} रु^{६२} ली^{६३} य^{६४} वि^{६५} स्म^{६६} य^{६७} ॥ मो^{६८} न^{६९} उ^{७०} त्^{७१} ग्^{७२} क्^{७३} कां^{७४} । स^{७५} य^{७६} ४^{७७} स^{७८} य^{७९} दि^{८०} त^{८१} त्^{८२} क^{८३} । षा^{८४} दि^{८५} क्ष्वा^{८६} स^{८७} मू^{८८} य^{८९} आ^{९०} यी^{९१} व^{९२}
^{निसंसदष्टयानअननवाय} ^{अननवाय} ^{वलअर्थसयसंवाधय} ^{योग्यसंवाधय} ^{म्यारम्भासभीक्षावाय}
 स्या^{९३} न^{९४} न्द^{९५} थ^{९६} न^{९७} न^{९८} न^{९९} न^{१००} न^{१०१} न^{१०२} न^{१०३} न^{१०४} न^{१०५} न^{१०६} न^{१०७} न^{१०८} न^{१०९} न^{११०} न^{१११} न^{११२} न^{११३} न^{११४} न^{११५} न^{११६} न^{११७} न^{११८} न^{११९} न^{१२०} न^{१२१} न^{१२२} न^{१२३} न^{१२४} न^{१२५} न^{१२६} न^{१२७} न^{१२८} न^{१२९} न^{१३०} न^{१३१} न^{१३२} न^{१३३} न^{१३४} न^{१३५} न^{१३६} न^{१३७} न^{१३८} न^{१३९} न^{१४०} न^{१४१} न^{१४२} न^{१४३} न^{१४४} न^{१४५} न^{१४६} न^{१४७} न^{१४८} न^{१४९} न^{१५०} न^{१५१} न^{१५२} न^{१५३} न^{१५४} न^{१५५} न^{१५६} न^{१५७} न^{१५८} न^{१५९} न^{१६०} न^{१६१} न^{१६२} न^{१६३} न^{१६४} न^{१६५} न^{१६६} न^{१६७} न^{१६८} न^{१६९} न^{१७०} न^{१७१} न^{१७२} न^{१७३} न^{१७४} न^{१७५} न^{१७६} न^{१७७} न^{१७८} न^{१७९} न^{१८०} न^{१८१} न^{१८२} न^{१८३} न^{१८४} न^{१८५} न^{१८६} न^{१८७} न^{१८८} न^{१८९} न^{१९०} न^{१९१} न^{१९२} न^{१९३} न^{१९४} न^{१९५} न^{१९६} न^{१९७} न^{१९८} न^{१९९} न^{२००} न^{२०१} न^{२०२} न^{२०३} न^{२०४} न^{२०५} न^{२०६} न^{२०७} न^{२०८} न^{२०९} न^{२१०} न^{२११} न^{२१२} न^{२१३} न^{२१४} न^{२१५} न^{२१६} न^{२१७} न^{२१८} न^{२१९} न^{२२०} न^{२२१} न^{२२२} न^{२२३} न^{२२४} न^{२२५} न^{२२६} न^{२२७} न^{२२८} न^{२२९} न^{२३०} न^{२३१} न^{२३२} न^{२३३} न^{२३४} न^{२३५} न^{२३६} न^{२३७} न^{२३८} न^{२३९} न^{२४०} न^{२४१} न^{२४२} न^{२४३} न^{२४४} न^{२४५} न^{२४६} न^{२४७} न^{२४८} न^{२४९} न^{२५०} न^{२५१} न^{२५२} न^{२५३} न^{२५४} न^{२५५} न^{२५६} न^{२५७} न^{२५८} न^{२५९} न^{२६०} न^{२६१} न^{२६२} न^{२६३} न^{२६४} न^{२६५} न^{२६६} न^{२६७} न^{२६८} न^{२६९} न^{२७०} न^{२७१} न^{२७२} न^{२७३} न^{२७४} न^{२७५} न^{२७६} न^{२७७} न^{२७८} न^{२७९} न^{२८०} न^{२८१} न^{२८२} न^{२८३} न^{२८४} न^{२८५} न^{२८६} न^{२८७} न^{२८८} न^{२८९} न^{२९०} न^{२९१} न^{२९२} न^{२९३} न^{२९४} न^{२९५} न^{२९६} न^{२९७} न^{२९८} न^{२९९} न^{३००} न^{३०१} न^{३०}

स्थले यावुं भाव आदि अर्थ स यत्न

रघुनन्दनस्त्री

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

७३ असशस्त्रयादु मेतात्री शमोक्षुथ्वंस्त्रीलिंग

श्रीशंभवेद्यत्रोत्रः स्वसूत्रसंभावद्ययन्या

केनेक्रीडाअर्थसन्नयुत्सववित्थंतादकेवृत्तीर्लिङ्गयागुथकेसोमत्यल्लुशेताकजाजलंयानाशनंयानाचमयाश्चवेनिदिक्थवृत्तीर्लिङ्ग

कलिकारुणि० सुनंगमसुविमानय० पिच्छविनेजकाकव्य धूर्कि० गली दूलीदत्रत्। सानि० कंथगतथसंदी नालीना

थ्यदकोपूंस्त्रीलिङ्गयूलिङ्गमनुवस्य

यं प्रलिंग । श्वेतो वारि कृतदूर्जन उणादि दको वुं प्रलिंग

कमल भनर ध्यते ईकान्तस्थल अकारं नदकोणलिंग

यथयसन ध्वजेऽपानसश्चन्द्रनगोत्रनामचरणानामजुवदकोष्ठयुलिङ्ग

४ श्रीमी गथा यथ नय सदा या ना गण राखा धुन गा रु या ४॥ नान्ना करुं त्रि सा व व द्य श्रु वृक्ष द्या थू च ४॥ ल्य ४ क

^{कर्त्ता मजुव नुयुन्या याता युलिंग भावसजुवई मनिचुर्षिग भावसुत्र}
^{नामसकर्त्ता मजुव भावसजुव च नश्चश्चनः शशुश्चधुराध्वनेतुं प्रलिंग} ^{कषप्रययर्षिगश्च प्रादियोके नामसुत्रे कि प्रन्यययुर्षिगद्वन्द्वसमासयुर्षिगसमाहारवार्थमप्राप्तजुको प्रलिंग मजुव सूर्यसचन्द्र नाम पूर्वस}
 रुनीमिमिहाव काआकि८यादितान्यन८ददध्ववठवावध्ववठवठुसमादन॥कान८सूर्यन्यययाययूवीय
^{ध्वनकांन शशुश्चवेन अयमपूर्वसश्चकांनशदध्वनेतुं प्रलिंग॥}

८यूर्वकापिवावट कश्चानूवाकश्च गलककैदंगक८॥यैखान्यूरव८समूर्गैधु विटयटवध८खट८।काद्यानरुट्ट
 द्यष्टाश्च पिंठरगाधु पिनेठवगू।कड८कनेतालमुता वनेठश्चकिष्माद्य८।दमिसीमनरुत्रिगूनामीधव १॥
 दूदा८॥कासमर्द्धदिनि८कैद८रुनसूयोसयूयकी।आतय८कृत्रियनारि८कलयकनकवना८॥यूनकृत्रययूका
 ध्व।गालहिंमुलपंगला८वतालमस्ररुस्त्राश्च यूमाज।भाथयदि८॥कूत्मावात्ररुस।वेवसुकटा८८यनरु८॥

यूलिंगसंगरु८॥दिहीनन्यत्रखात्रय यर्कध्वरुहिमादकी।हीताफ्फमांसत्रुधिन मूखादिद्विधंवली॥रु ल
 रुमधुल्लालै सुखद८खधुलाधुरी।रुलयथाजिलवध श्रीरुनान्यमूलयनी॥का आ८८।तांदि संख्याया वा
^{विकल्प} ^{इजन्मयसंनईसंनईसंनश्चनननातेकर्त्ता मजुवनपुंसकलिंग} ^{त्रांसलं पात्रशिखं संख्यापूर्वसश्चनुगवधेयं नपुंसकलिंग} ^{यात्रादिआका}
 लक्षानियुनैवनेत॥इकामसिसुसत्रके यदनानकमकरे त्रिपार्कसलायधंनिदं त्रार्णयाकसंख्यायाविनै॥यात्राश
^{एतसंख्यापूर्वसश्चसमाहारसयाजन्पुंसकलिंगत्रयातां यात्राणां समाहारत्रिपार्कसं वीत्रिपुवनचतुय}
 दनेत्रका।ध्वदिगुलश्चानूसात्रन८दद कलाययीरावे यथ८संख्यायायात्यन८।षष्ठा८८यावदूनांवदिक्का
 यैसंरुतोसहा।गालाध्वपिपनात्राका मनुष्याध्वदवाजकात्॥दासीसूरंयसूरं नक८सूरमिमादि८८उप

गीमेणी मेष्ठां वृक्षयुगदा दनशामकानां याक्रदा ४ सना ॥ कृयाणां लामानां निष्ठा ४ स्यादा नृमनस्वनिर्गं ॥ गणाल
 मितत्रयविक्र ॥ श्रावन्ननाकत्रयदा ॥ दिगुष्टाय सिनधुलुकादिकृषिषदं विषदीव ॥ पितदं वपितक्रपि ॥ ॥ श्री
 नयैसकसंग्रह ॥ ॥ विषयागीयूटीवाटी यटीकवलदा ३ मो ॥ यत्रैर्लिगखयक्षान्दं दंतलूनृषयितग ॥ श्री ११३
 का ४ यायलं याफा ॥ यग्रयूर्वा ४ यत्रायग ४ गदिता ॥ र्यदिगु ४ संख्या ॥ सर्वनामतदकग ४ वदूदीहि नदिद्वाम्ना
 नूनयैतदूदा दनं ॥ गुणद्वयक्रियाया ॥ ग्याविधियत्रगमिन ४ कत ४ कर्तृर्यसंश्रयां ॥ कृत्वा ४ कर्तृत्रिकर्म

[illegible]



अनेमकडगजसिधानाम अनेनुरसेयानाम
 कन्दरालं कपीननसुपार्थकाः॥ पृक्षश्चतित्तिडविन्धोः श्लिकोथोपीतसारके॥ सर्जकोसनं वधुके पुथप्रियकजीवकाः॥ शालेतुसर्ज
 ५ अनेसिसिधानाम १ अनेअनं वसिधानाम अनेएजनददनसिधानाम हेदलोसिधा
 कार्थ्यश्च कर्षकाः शाल्यसंवरः॥ नदीसर्जवीरतरु रिउडुः ककुभोः र्जुनः॥ राजादनं फलाध्वसः क्षीरिकायामधद्वयोः॥ इन्दुदीताय
 अनेभुजयत्रसिधानाम ५ अनेसिमोसिधानाम २ सिल्लरसयानाम २ कंठसिमरसिधानाम
 सतद॥ भूर्जे चर्मिष्टदुत्वचौ॥ पिष्टिलोपूरणीमोवाः मिठायुः शाल्मलिद्वयोः॥ पिष्टातुं शाल्मलीवेष्टोरेचनः कूटशाल्मलिः॥ चिरिविल्वोनक्र
 ४ अनेकरंजसिधानाम ४ अनेमोकरंजसिधानाम ३ अनेकरंजभेदयानाम
 मालः करजश्च करंजके॥ प्रकीर्यः पूतिकरजः पूतिकः कलिकारकः॥ करंजभेदाः त्वहुचो मर्कट्यो गारवध्वरी॥ रोहिरोहितकः श्रीहरानुदा

[Faint handwritten Devanagari script on aged paper]

रामायणम्